नई दिल्ली
सोमवार
23 नवम्बर 2026
वर्षः 13, अंकः 80
पृष्ठः 08, मूल्य 2 रु0

E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सदभावना टुडे

आवाज़ अधिकार की



वेलिंगटन टेस्ट में भारत की पकड़ मजबूत, न्यूजीलैंड...पेज-06

DELHIN/2014/58158

दरभंगा हवाई अड्डे का नाम महाकवि विद्यापति...पेज-05

एक नजर

भारत-ईयू के बीच 16 दिसंबर को व्यापार समझौते पर लग सकती है मुहर

नई दिल्ली। भारत और 27 देशों के यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर 16 दिसंबर को ब्रुसेल्स में हस्ताक्षर होने की संभावना है। दोनों पक्षों ने इस साल 27 जनवरी को इस समझौते के लिए बातचीत पूरी कर ली थी। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को दी गई जानकारी में बताया कि भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर 16 दिसंबर को ब्रुसेल्स में हस्ताक्षर होने की संभावना है। ये हस्ताक्षर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिसंबर में प्रस्तावित ब्रुसेल्स यात्रा के दौरान हो सकते हैं। भारत में यूरोपीय संघ के राजदूत जीन-एरिक पाके ने हाल ही में एक कार्यक्रम में कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिसंबर में ब्रसेल्स दौरे के दौरान समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे और यह अगले साल 2027 में लागू होगा। प्राप्त जानकारी के मुताबिक यूरोपीय आयोग ने समझौते पर हस्ताक्षर और इसे अंतिम रूप देने की मंजूरी के लिए यूरोपीय संघ की परिषद को प्रस्ताव भेज दिए हैं। इसके साथ समझौते का अंतिम कानूनी मसौदा और शुल्क संबंधी विवरण भी सौंपे गए हैं। उल्लेखनीय है कि इस व्यापार समझौते के तहत भारत के 93 फीसदी निर्यात को 27 देशों के यूरोपीय संघ में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। वहीं, ईयू से आयात होने वाली लक्जरी कार और शराब सस्ती हो जाएंगी।

दिल्ली में 29 नवंबर को संघ का 'राष्ट्र वंदनम्' कार्यक्रम, सरसंघचालक करेंगे संबोधित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की ओर से 29 नवंबर को दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-23 में 'राष्ट्र वंदनम्' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत स्वयंसेवकों और समाज के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में वह संघ की आगामी दिशा, संगठन के कार्य विस्तार, सामाजिक सहभागिता और भविष्य की योजनाओं पर विचार रखेंगे। इंद्रप्रस्थ विश्व संवाद केन्द्र की ओर से रविवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम स्थल को 'समरसता स्थल' नाम दिया गया है। इसमें दिल्ली के हजारों पूर्ण गणवेशधारी स्वयंसेवक शामिल होंगे। इस अवसर पर स्वयंसेवकों की ओर से शारीरिक प्रदर्शन और घोष वादन भी प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम में समाज की सज्जन शक्ति और विभिन्न क्षेत्रों के विशिष्ट एवं प्रतिष्ठित व्यक्तियों को भी आमंत्रित किया गया है। विज्ञप्ति के अनुसार, संघ ने वर्ष 2025 में अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर शताब्दी वर्ष की शुरुआत सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत की व्याख्यानमाला से की थी।

इसके बाद व्यापक गृह संपर्क अभियान, हिंदू सम्मेलन, सद्भाव गोष्ठियां, युवा सम्मेलन, समाज के प्रबुद्ध वर्ग के साथ संवाद और बस्ती स्तर पर विजयादशमी कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन गतिविधियों के दौरान समाज के विभिन्न वर्गों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और अलग-अलग क्षेत्रों में सक्रिय लोगों से संपर्क एवं संवाद हुआ। 'राष्ट्र वंदनम' कार्यक्रम में इन लोगों की भी सहभागिता रहेगी। संघ के अनुसार, वह व्यक्ति निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के ध्येय के साथ नई शताब्दी में प्रवेश कर चुका है। व्यक्ति के स्तर पर परिवार और शाखा के माध्यम से समाज में सज्जन शक्ति को साथ लेकर परिवर्तन के लिए काम किया जा रहा है।

कोटा में सड़क हादसा, महाराष्ट्र के एक परिवार के नौ सदस्यों की मौत

कोटा,एजेंसी। कोटा-उदयपुर नेशनल हाइवे पर शंभूपुरा गांव के पास शनिवार आधीरात बाद लगभग एक बजे सड़क हादसे में महाराष्ट्र के एक ही परिवार के नौ सदस्यों की जान चली गई। हादसे में कई लोग घायल हो गए। घटना नांता थाना क्षेत्र में हुई। सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल पहुंचे। सिटी एसपी तेजस्वनी गौतम ने बचाव कार्य की निगरानी की। पुलिस के अनुसार, क्रूजर में महाराष्ट्र के धुले जिले के एक ही परिवार के 16 सदस्य यात्रा कर रहे थे। परिवार धार्मिक स्थलों के दर्शन के लिए मंगलवार को महाराष्ट्र से रवाना हुआ। श्रद्धालुओं ने पहले मध्य प्रदेश के ओंकारेश्वर और फिर राजस्थान के पुष्कर व खाटूश्यामजी में दर्शन किए। शनिवार रात सभी लोग वापस अपने घर लौट रहे थे। हादसे में क्रूजर सवार आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल माधवी को अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उन्होंने भी दम तोड़ दिया। न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉ. आशुतोष शर्मा के अनुसार, घायलों को अस्पताल लाया गया है। गंभीर रूप से घायल मनीषा को वेंटिलेटर पर रखा गया है।

मृतकों की पहचान उषा बाई, सुशीला (55), कैलाश (45), सांवी, सज्जन, अनीता, बाबूलाल (60), जाह्नवी (13) और माधवी के रूप में हुई है। एक ही परिवार के नौ सदस्यों की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। घायलों में जगदीश (10), मयूरी पवार (20), मनीषा पवार (45), शरद पवार (46), गणेश पवार (30), सृजेत (3) और ट्रक चालक हारून (43) शामिल हैं। इनका न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में उपचार चल रहा है। दुर्घटनाग्रस्त क्रूजर के पीछे दूसरे वाहन में सफर कर रहे प्रदीप ने बताया कि परिवार के सभी 36 सदस्य तीन गाड़ियों में धार्मिक यात्रा पर निकले थे। खाटूश्यामजी से दर्शन करने के बाद शनिवार रात महाराष्ट्र के लिए रवाना हुए। प्रदीप के मुताबिक, रास्ते में सभी गाड़ियां एक-दूसरे के आसपास चल रही थीं। अचानक आगे चल रही क्रूजर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। घायल ट्रक चालक हारून (43) मध्य प्रदेश के खंडवा का रहने वाला है। उसने बताया कि ट्रक में तकनीकी खराबी आ गई थी। इस वजह से ट्रक को सड़क किनारे रोकना पड़ा। वह ट्रक से कुछ दूर खड़ा था। इस दौरान पीछे से आई तेज रफ्तार क्रूजर ने पहले उसे टक्कर मारी और फिर ट्रक के पिछले हिस्से में जा घुसी। टक्कर लगने से वह करीब 20 फीट दूर जा गिरा और बेहोश हो गया। हारून के अनुसार, करीब दस मिनट बाद होश आने पर उसने पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। उसके सिर और घुटनों में चोटें आई हैं।



गुजरात में भीषण सड़क हादसा, कार में आग लगने से तीन दोस्तों की मौत

जूनागढ़। गुजरात के केशोद-बालागाम रोड पर घमीदाणा गांव के पास रविवार तड़के करीब पांच बजे भीषण सड़क हादसे में एक युवती समेत तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद कार में आग लग गई, जिससे तीनों की मौके पर ही जलकर मौत हो गई। वहीं, कार सवार सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कृष्णा चुडासमा की जान बच गई। उन्हें घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जूनागढ़ से माधवपुर की ओर जा रही लाल रंग की स्विफ्ट कार तेज रफ्तार के कारण मोड़ पर नियंत्रण खो बैठी और पलट गई। इसके बाद कार सड़क किनारे रखे पत्थर से टकराकर जल उठी। कार में कुल चार लोग सवार थे, जिनमें दो युवक और दो युवतियां शामिल थीं। हादसे में करीब 25 से 27 वर्ष आयु के तीन लोगों-नंदनी पोपट, डेनिस दिवराणीया और झलक मशरू-की जलकर घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, आगे की सीट पर बैठी कृष्णा चुडासमा कांच टूटने से बाहर छिटककर पास के खेत में जा गिरीं, जिससे उनकी जान बच गई। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार कृष्णा जूनागढ़ की निवासी हैं और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर व मॉडल हैं, जिनके इंस्टाग्राम पर 1.23 लाख फॉलोअर्स हैं।

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह दो दिवसीय भारत यात्रा पर दिल्ली पहुंचे



नई दिल्ली,एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह भारत की दो दिवसीय यात्रा पर रविवार को नई दिल्ली पहुंचे। यहां पहुंचने पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने उनकी अगवानी की। प्रधानमंत्री के रूप में बालेन्द्र शाह की यह पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा है। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ उनकी द्विपक्षीय वार्ता होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल में नई सरकार के गठन के बाद शाह को भारत आने का निमंत्रण दिया था, जिसे नेपाली पक्ष ने स्वीकार किया। दोनों नेताओं के बीच फोन पर बातचीत और सोशल मीडिया के जरिए संदेशों का आदान-प्रदान हो चुका है। इस यात्रा में पहली बार दोनों की आमने-सामने मुलाकात होगी।

यात्रा के दौरान दोनों प्रधानमंत्री कई परियोजनाओं का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन और कुछ नई परियोजनाओं की आधारशिला रख सकते हैं। विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग से जुड़े कई दूरदर्शी द्विपक्षीय दस्तावेजों पर हस्ताक्षर और उनका आदान-प्रदान भी प्रस्तावित है। दोनों नेताओं की बातचीत से आने वाले वर्षों में भारत-नेपाल साझेदारी को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। विकास साझेदारी, ऊर्जा, जलविद्युत, रेलवे, संपर्क, बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन और आपदा प्रबंधन सहयोग के प्रमुख विषय रहेंगे। भारत और नेपाल के संबंध आपसी विश्वास, खुली सीमा, साझा परंपराओं और लोगों के बीच निकट संपर्क पर आधारित हैं। पिछले करीब एक दशक में दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों के स्तर पर 17 द्विपक्षीय यात्राएं हो चुकी हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 2014 के बाद पांच बार नेपाल की यात्रा कर चुके हैं। विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए दोनों देशों के बीच 40 से अधिक संस्थागत तंत्र भी काम कर रहे हैं। भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापार, पारगमन और निवेश साझेदार है। नेपाल को भारतीय बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच प्राप्त है और उसके कुल वस्तु निर्यात का करीब 80 फीसदी भारत आता है। नेपाल में कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का लगभग एक-तिहाई भारत से आता है। विकास साझेदारी के तहत भारत की सहायता से नेपाल के 74 जिलों में 600 से अधिक उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजनाएं संचालित हैं। इनकी कुल लागत 1,662 करोड़ नेपाली रुपये से अधिक है। ऊर्जा और जलविद्युत क्षेत्र में भी दोनों देशों का सहयोग बढ़ा है। दीर्घकालिक बिजली व्यापार समझौते के तहत 10 वर्षों में नेपाल से भारत को 10,000 मेगावाट तक बिजली आयात करने की परिकल्पना है। भारत वर्तमान में नेपाल से सालाना करीब 1,200 मेगावाट बिजली आयात करता है। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत को बिजली के शुद्ध निर्यात से नेपाल को करीब 1,800 करोड़ नेपाली रुपये का राजस्व मिला। नवंबर 2024 से नेपाल भारतीय ग्रिड के माध्यम से बांग्लादेश को भी बिजली निर्यात कर रहा है।

अरुणाचल प्रदेश ग्रामीण समृद्धि के नए युग की ओर अग्रसरः अमित शाह

ईटानगर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि अरुणाचल प्रदेश ग्रामीण समृद्धि के एक नए युग की ओर बढ़ रहा है। सहकारिता क्षेत्र को मजबूत बनाने से राज्य के किसानों, युवाओं और महिलाओं के लिए आर्थिक विकास एवं रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाएं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और स्थानीय स्तर पर आत्मनिर्भरता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

अमित शाह रविवार को ईटानगर स्थित दोरजी खांडू कन्वेंशन हॉल में आयोजित 'सहकारिता समारोह' को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने अरुणाचल प्रदेश के लिए 'सहकारिता विजन डॉक्यूमेंट 2047' जारी किया। साथ ही राज्य में कुल 5,610 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इन पहलों को राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों, शिक्षा, बिजली, सड़क और



सीमावर्ती इलाकों के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सकता है। इससे किसानों को अपनी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त करने, युवाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने में मदद मिलेगी। सहकारी संस्थाओं के विस्तार से गांवों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सकेगा। समारोह में अमित शाह ने राज्य के लिए घोषित 5,610 करोड़ की विकास परियोजनाओं की शुरुआत की। इनमें 'मिशन शिक्षित अरुणाचल-चरण द्वितीय', बिजली क्षेत्र के विकास, ग्रामीण सड़क संपर्क को मजबूत करने और सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा राज्य के 11 सीमावर्ती जिलों में वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत 199 परियोजनाओं की भी शुरुआत की गई। इन परियोजनाओं का उद्देश्य सीमावर्ती गांवों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना और वहां रहने वाले लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाना है। ग्रामीण सड़कों और बिजली सुविधाओं के विकास से दूरदराज के क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने में भी सहायता मिलेगी। 'मिशन शिक्षित अरुणाचल-चरण द्वितीय' के माध्यम से राज्य में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे।

युवा आबादी का स्वास्थ्य सुरक्षित रखना भारत के भविष्य के लिए महत्वपूर्णः जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत में स्वास्थ्य अनुसंधान का जोर अब बीमारियों के इलाज के साथ उनकी रोकथाम, शुरुआती पहचान और आणविक एवं आनुवंशिक स्तर पर शोध की ओर बढ़ रहा है। मधुमेह, मोटापा, उच्च रक्तचाप और हृदय संबंधी बीमारियां कम उम्र के लोगों को भी तेजी से प्रभावित कर रही हैं। ऐसे में बचाव आधारित स्वास्थ्य सेवाएं और समय रहते बीमारी की पहचान करना जरूरी हो गया है। उन्होंने कहा कि देश की युवा आबादी का स्वास्थ्य सुरक्षित रखना भारत के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है।

डॉ. जितेंद्र सिंह रविवार को यहां आयोजित 'द वीक हेल्थ समिट 2026' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने केंद्र सरकार की स्वास्थ्य पहलों पर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधन दिया और स्वास्थ्य विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं तथा उद्योग प्रतिनिधियों के साथ संवाद भी किया। कार्यक्रम में एम्स नई दिल्ली के



निदेशक डॉ. निखिल टंडन, भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के निदेशक शरद अग्रवाल और अंतरराष्ट्रीय रेड क्रॉस समिति के भारत में उप प्रमुख डॉ. आंद्रेई कोजिक सहित कई वरिष्ठ चिकित्सक और चिकित्सा शोधकर्ता मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि बदलती खानपान की आदतों, शारीरिक गतिविधियों में कमी और जीवनशैली से जुड़ी समस्याओं के कारण मधुमेह, मोटापा, उच्च रक्तचाप और हृदय रोगों का खतरा बढ़ रहा है। यह चुनौती अब शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में फैल रही है। उन्होंने कहा कि बीमारियों की रोकथाम केवल चिकित्सकों की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि इसके लिए समाज की सामूहिक भागीदारी और जागरूकता जरूरी है। उन्होंने कहा कि भारत पारंपरिक उपचार पद्धतियों से आगे बढ़कर बीमारियों के मूल कारणों को समझने के लिए आणविक विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और आनुवंशिक अनुसंधान में प्रगति कर रहा है। इससे जटिल बीमारियों के उपचार और उनके बेहतर प्रबंधन के लिए अधिक सटीक तरीके विकसित करने में मदद मिल रही है।

गोयल ने दार्जिलिंग चाय की गुणवत्ता और अनुसंधान को बेहतर बनाने के लिए समर्थन का किया वादा

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को दार्जिलिंग के कुर्सेओंग में चाय के व्यापारियों, उत्पादकों, छोटे किसानों, चाय पत्ती प्रसंस्करण इकाइयों के मालिकों और अन्य हितधारकों के साथ मुलाकात की। गोयल ने इस अवसर पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि दार्जीलिंग चाय को कैसे पुन: विश्वस्तरीय ताकत दी जाए, उसके लिए केंद्र सरकार, निर्यात संवर्धन मिशन के तहत पैकेजिंग और ब्रांडिंग में सहायता देगी। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर सभी हितधारकों के साथ चाय उद्योग की चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की गई है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा कि इस बैठक में चाय क्षेत्र को मजबूत करने, निर्यात को बढ़ावा देने, नीलामी प्रक्रिया में सुधार लाने और दार्जिलिंग चाय की वैश्विक प्रतिष्ठा को बहाल करने की रणनीतियों पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी की सरकार के रहते यहां के कामगारों को प्रधानमंत्री चा श्रमिक प्रोत्साहन योजना (पीएमसीएसवाई) का जो लाभ नहीं मिला था, वो अब पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की सरकार के प्रयास से मिलना शुरू होगा। गोयल ने कुर्सेओंग में चाय के व्यापारियों, उत्पादकों, छोटे किसानों, चाय पत्ती प्रसंस्करण इकाइयों के मालिकों और अन्य हितधारकों के साथ बैठक के दौरान उन्होंने दार्जिलिंग चाय की वैश्विक प्रतिष्ठा को बहाल करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से ब्रांडिंग, मार्केटिंग और निर्यात को बढ़ावा देने में सहयोग देने की घोषणा की। इससे पहले, पीयूष गोयल ने कहा कि सोने के बजाय उत्पादक संपत्तियों में निवेश करने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील से देश में सोने का आयात घटाने में मदद मिली है। बागडोगरा हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से बातचीत में गोयल ने कहा कि सोने के आयात में कमी का अंतरराष्ट्रीय बाजार पर भी सकारात्मक असर पड़ा है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नागरिकों से की गई उस अपील ने—जिसमें उन्होंने सोने के बजाय उत्पादक संपत्तियों में निवेश करने को कहा था—भारत के सोने के आयात को कम करने में मदद की है और वैश्विक स्तर पर सोने की कीमतों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है।

तमिलनाडु और केरल में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली,एजेंसी। पूर्वी हवाओं के प्रभाव के कारण दक्षिण भारत के कई राज्यों में अगले कुछ दिनों तक भारी बारिश के आसार हैं। वहीं, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा, लेकिन वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में बनी हुई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में रविवार को आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा और अधिकतम तापमान 26 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है, जो सामान्य के करीब है। दोपहर में उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी, जो शाम और रात में घटकर 12 किमी प्रति घंटे रह जाएंगी। आगामी 23 से 25 नवंबर तक दिल्ली में आसमान साफ रहेगा, लेकिन सुबह के समय धुंध और हल्का कोहरा छाया रहेगा। इस दौरान अधिकतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 10 से 13 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना

दिल्ली-एनसीआर की हवा 'खराब' श्रेणी में



है। दूसरी ओर, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में दर्ज की गई है। दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 265, गुरुग्राम का 255, नोएडा का 239 और गाजियाबाद का एक्यूआई 206 रहा। मौसम विभाग के मुताबिक, तमिलनाडु में 23-27 नवंबर और केरल में 24-26 नवंबर के बीच अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है।

इस दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा 25 से 26 नवंबर के बीच लक्षद्वीप में अधिकांश स्थानों पर बारिश होने का अनुमान है। इसके अलावा 23 से 28 नवंबर के बीच तटीय आंध्र प्रदेश, यनम, केरल, माहे, रायलसीमा, तटीय एवं दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना (24-26 नवंबर) में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इस दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल (23-28 नवंबर), तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा (23-26 नवंबर) में 40 से 50 किमी प्रति घंटे (झोंके 60 किमी प्रति घंटे तक) की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की आशंका है।

केरल और माहे में भी 24 से 26 नवंबर के बीच 30 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में सोमवार को व्यापक बारिश के साथ 30 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। इसी दिन पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और झारखंड में छिटपुट बारिश की संभावना है। पूर्वोत्तर के राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 23 से 24 नवंबर तक बारिश हो सकती है।

प्रकाश गुरुपर्व के उपलक्ष्य में कई मार्ग रहेंगे प्रभावित

सैफुल्लाह सिद्दीकी, वरिष्ठ पत्रकार

नई दिल्ली। दिल्ली की सड़कों पर सोमवार को निकलने से पहले यातायात की स्थिति जरूर देख लें। राजधानी में एक साथ कई बड़े आयोजनों के चलते मध्य, उत्तरी और नई दिल्ली के प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रभावित रहने की आशंका है। श्री गुरु नानक देव के प्रकाश गुरुपर्व के उपलक्ष्य में नगर कीर्तन निकाला जाएगा। वहीं, राजघाट पर कार्यक्रम के चलते वीवीआईपी मूवमेंट रहेगा। इसे देखते हुए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने वाहन चालकों को प्रभावित मार्गों से बचने और वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करने की सलाह दी है।



दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से श्री गुरु नानक देव के प्रकाश गुरुपर्व के उपलक्ष्य में सोमवार सुबह 10 बजे नगर कीर्तन निकाला जाएगा। यह गुरुद्वारा सीसगंज साहिब से शुरू होकर चांदनी चौक, फतेहपुरी, खारी बावली, नया बाजार चौक, पीली कोठी रोड, पुल मिठाई, जोरावर सिंह मार्ग, बर्फ खाना चौक, पुल बंगश मेट्रो स्टेशन, रोशनारा रोड, घंटाघर और शक्ति नगर चौक से होते हुए जीटी करनाल रोड स्थित गुरुद्वारा नानक प्याऊ साहिब पहुंचेगा। नगर कीर्तन में 25 से 30 हजार श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। इसके साथ ही ट्रैक्टर, टेंपो और ट्रक समेत करीब 400 से 500 वाहन भी इसमें शामिल होंगे। इस दौरान यातायात को चरणबद्ध तरीके से नियंत्रित और डायवर्ट किया जाएगा। छत्ता रेल क्रॉसिंग, सुभाष पार्क टी-पॉइंट, नेताजी सुभाष मार्ग, टाउन हॉल, कुतुब रोड चौक, रानी झांसी फ्लाईओवर, सब्जी मंडी और रूप नगर समेत कई इलाकों में वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो सकती है। शाम पांच बजे से रात 12 बजे तक जरूरत के अनुसार ओल्ड जीटी करनाल रोड और भामा शाह रोड पर वाहनों की आवाजाही बंद की जा सकती है। इसके अलावा स्टेडियम रोड टी-पॉइंट, अशोक विहार फ्लाईओवर, देरावल नगर टी-पॉइंट, भामा शाह चौक, राज कुमार कौशिक मार्ग टी-पॉइंट, संत कृपाल सिंह टी-पॉइंट, कृपाल बाग रेड लाइट, स्वामी नारायण अंडरपास, राणा प्रताप बाग कॉलोनी गेट और महाराजा अग्रसेन मार्ग टी-पॉइंट पर भी यातायात नियंत्रित या डायवर्ट किया जा सकता है। राजघाट पर आयोजित कार्यक्रम के चलते वीवीआईपी मूवमेंट को देखते हुए आसपास की सड़कों पर यातायात व्यवस्था बदली रहेगी। वहीं, उत्तरी दिल्ली में दोपहर तीन बजे से आउटर रिंग रोड पर वजीराबाद फ्लाईओवर से सलीमगढ़ वाई-पॉइंट तक यातायात प्रभावित रहने की आशंका है। शामनाथ मार्ग, लोक निवास मार्ग, अंडर हिल रोड, राजपुरा रोड, बुलेवार्ड रोड, रानी झांसी रोड और महात्मा गांधी मार्ग पर भी वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो सकती है। वजीराबाद फ्लाईओवर, आईपी रेड लाइट, खैबर पास, युधिष्ठिर सेतु वाई-पॉइंट और चंदगी राम अखाड़ा समेत कई स्थानों पर जरूरत के अनुसार वाहनों को डायवर्ट किया जाएगा। भारत मंडपम में चल रहे भारतीय व्यापार मेले में सोमवार को भी बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना है। इसके चलते मथुरा रोड, भैरों मार्ग, प्रगति मैदान के आसपास की सड़कें और आईटीओ क्षेत्र में वाहनों का दबाव बढ़ सकता है। वहीं, सुंदर नर्सरी में आयोजित सरस फूड फेस्टिवल के कारण सब्जबुर्ज गोलचक्कर और आसपास के मार्गों पर वाहनों की आवाजाही बढ़ने की संभावना है।

प्लास्टिक कचरे से कला रचकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहा हरियाणा

शाहनवाज सैफ, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। प्लास्टिक कचरा आज पर्यावरण के सामने गंभीर चुनौती बना हुआ है। इस्तेमाल के बाद फेंकी जाने वाली प्लास्टिक की वस्तुएं लंबे समय तक नष्ट नहीं होतीं और मिट्टी से लेकर जलस्रोतों तक को प्रदूषित करती हैं। ऐसे में बेकार प्लास्टिक को रचनात्मकता के माध्यम से उपयोगी रूप देने की पहल पर्यावरण संरक्षण का प्रभावी संदेश दे रही है। भारत मंडपम में आयोजित 45वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले के हरियाणा पवेलियन में कलाकार बेकार प्लास्टिक से पर्यावरण अनुकूल चित्र तैयार कर रहे हैं। यह अनूठा प्रयोग लोगों को कचरे के पुन: उपयोग और संसाधनों के संरक्षण के प्रति जागरूक कर रहा है। हरियाणा पवेलियन में प्लास्टिक कचरे से चित्रकारी तैयार करने का प्रदर्शन मेले में आने वाले लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। कलाकार प्लास्टिक की थैलियों, पैकेजिंग सामग्री और अन्य बेकार वस्तुओं का इस्तेमाल कर आकर्षक कलाकृतियां तैयार कर रहे हैं।

इस पहल का उद्देश्य केवल सुंदर कलाकृतियां बनाना नहीं, बल्कि लोगों की सोच में बदलाव लाना भी है। इसके माध्यम से बताया जा रहा है कि जिस सामग्री को लोग अनुपयोगी समझकर फेंक देते हैं, उसका रचनात्मक और उपयोगी कार्यों में दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है। इस प्रदर्शन से विशेष रूप से बच्चों और युवाओं को कचरे का पृथक्करण, पुन: उपयोग और प्राकृतिक संसाधनों की बचत करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। हरियाणा पवेलियन में प्रदेश की पारंपरिक कला और आधुनिक उद्यमिता का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। यहां मिट्टी के बर्तन, कृत्रिम आभूषण, जैविक एवं हर्बल उत्पाद, फुलकारी कढ़ाई, कांच के खिलौने, खेलकूद से जुड़े सामान, परिधान और इत्र सहित विभिन्न उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं। इस बार पवेलियन में बड़े उद्योगों और सरकारी योजनाओं के साथ स्थानीय कारीगरों, स्वयं सहायता समूहों और छोटे कारोबारियों को भी विशेष अवसर दिया गया है। यहां 10 कारीगरों एवं स्वयं सहायता समूहों के साथ 22 सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को स्थान मिला है। ये उद्यमी अपने उत्पादों का प्रदर्शन करने के साथ उनकी बिक्री भी कर रहे हैं। इससे स्थानीय स्तर पर तैयार होने वाले उत्पादों को दिल्ली जैसे बड़े बाजार में संभावित खरीदारों तक पहुंचने का अवसर मिल रहा है। हरियाणा पवेलियन में प्रदेश की ग्रामीण संस्कृति और आधुनिक विकास को एक साथ प्रस्तुत किया गया है। यहां पारंपरिक हरियाणवी चौपाल बनाई गई है, जो ग्रामीण जीवन, आपसी मेलजोल और सामाजिक सहभागिता की संस्कृति को दर्शाती है।

174 रुपये के ट्रांजेक्शन से मिला 55 लाख के गहनों का सुराग

नई दिल्ली। कश्मीरी गेट आईएसबीटी से 55 लाख रुपये के सोने के गहनों से भरा बैग गायब होने के मामले का खुलासा हो गया है। 174 रुपये के डिजिटल ट्रांजेक्शन के सुराग के बाद दूसरे यात्री को ट्रेस कर गहनों से भरा बैग पुलिस ने बरामद कर लिया। जांच में सामने आया कि भीड़ के बीच एक जैसे दिखने वाले दो बैगों की अदला-बदली हो गई थी।

दूसरे यात्री ने भी बैग बदलने का अहसास होने पर पुलिस को कॉल करने की कोशिश की थी, लेकिन तब तक वह दिल्ली से बाहर निकल चुका था। उत्तर पुलिस की उपायुक्त निहारिका भट्ट ने बताया कि पीड़ित ने 12 नवंबर को कश्मीरी गेट थाने में बैग गायब होने की शिकायत दी थी। उनका बैग आईएसबीटी के प्रथम तल पर प्रवेश के दौरान एक्स-रे मशीन के पास से गायब हुआ था। बैग में करीब 55 लाख रुपये के सोने के गहने, नौ हजार रुपये आदि रखे थे। मामले में 13 नवंबर को ई-एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तो पता चला कि बैग दूसरे यात्री के पास चला गया है। पुलिस ने बस रूट, टिकट और डिजिटल लेनदेन की जांच की। इसी दौरान बेंगलुरु बस डिपो से जुड़ा 174 रुपये का डिजिटल ट्रांजेक्शन मिला। लेनदेन की कड़ियां जोड़कर पुलिस ने 18 नवंबर को बेंगलुरु में काम करने वाले रुद्रप्रयाग निवासी यात्री को ट्रेस किया। यात्री ने बैग अपने पास सुरक्षित रखा था। पीड़ित परिवार में 30 नवंबर को शादी है। गहने वापस मिलने पर परिवार ने राहत की सांस ली।

रानी झलकारी बाई की जयंती पर दिल्ली भाजपा ने किया पुष्पांजलि कार्यक्रम

नई दिल्ली। वीरांगना रानी झलकारी बाई की जयंती पर रविवार को दिल्ली भाजपा अनुसूचित मोर्चा की ओर से प्रदेश भाजपा कार्यालय में पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दिल्ली भाजपा प्रभारी डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे और प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने सांसद कमलजीत सहरावत सहित पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ रानी झलकारी बाई के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष लाजपत राय ने की।



इस अवसर पर हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि रानी झलकारी बाई भारतीय नारी शक्ति और स्वाभिमान की प्रतीक थीं। वर्ष 1857 की क्रांति में उन्होंने झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के रूप में अंग्रेजों से मुकाबला कर अद्वितीय वीरता और देशभक्ति का परिचय दिया। साधारण परिवार में जन्म लेने के बावजूद उन्होंने अपने पराक्रम से इतिहास में विशिष्ट स्थान बनाया। उनका जीवन सिखाता है कि जाति और परिस्थितियों से बड़ा व्यक्ति का संकल्प होता है। डॉ. विनय सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि रानी झलकारी बाई दलित समाज के गौरव और वीरता की अमर प्रतीक हैं। वर्ष 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में मातृभूमि की रक्षा के लिए उनका साहस और बलिदान हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। देशभक्ति किसी जाति, वर्ग या लिंग की मोहताज नहीं होती। भाजपा बाबा साहेब और रानी झलकारी बाई के आदर्शों पर चलते हुए सामाजिक समरसता के संकल्प को आगे बढ़ा रही है।

डीडीए की ई-नीलामी, 29 नवंबर तक करें आवेदन

नई दिल्ली। दिल्ली में अपना कारोबार शुरू करने या व्यावसायिक संपत्ति में निवेश करने की योजना बना रहे लोगों के लिए अच्छी खबर है। डीडीए ने राजधानी के अलग-अलग इलाकों में स्थित व्यावसायिक संपत्तियों की ई-नीलामी प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसमें छोटी दुकानों और कियोस्क से लेकर बड़े डिपार्टमेंटल स्टोर तक शामिल हैं। इच्छुक कारोबारी और निवेशक 29 नवंबर को शाम छह बजे तक ऑनलाइन आवेदन करने के साथ ही अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट (ईएमडी) जमा कर सकेंगे। डीडीए की इस नीलामी में नरेला, भीकाजी कामा प्लेस और वसंत कुंज जैसे प्रमुख इलाकों की संपत्तियां शामिल हैं। संपत्तियों के आकार और स्थान के अनुसार इनके आरक्षित मूल्य तय किए गए हैं। ऐसे में छोटे कारोबारियों के लिए कम कीमत वाली दुकानों से लेकर बड़े निवेशकों के लिए करोड़ों रुपये के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों तक के विकल्प उपलब्ध हैं। नीलामी में नरेला की कई पॉकेट और सेक्टर की संपत्तियां शामिल की गई हैं। इनमें पॉकेट-3, सेक्टर ए-10, पॉकेट-6, पॉकेट-7, पॉकेट-11, सेक्टर जी-7 और जी-8, ग्रुप हाउसिंग पॉकेट-11 और सेक्टर ए-1 से ए-4 तक की संपत्तियां शामिल हैं। नरेला क्षेत्र की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग-44 और अर्बन एक्सटेंशन रोड-2 जैसी सड़क परियोजनाएं महत्वपूर्ण हैं। इसके अलावा रिठाला-नरेला-कुंडली मेट्रो कॉरिडोर और क्षेत्रीय त्वरित परिवहन प्रणाली (आरआरटीएस) जैसी प्रस्तावित परियोजनाओं से भविष्य में इस इलाके की कनेक्टिविटी बेहतर होने की उम्मीद है।

पुरानी दिल्ली में अतिक्रमण के खिलाफ MCD और दिल्ली पुलिस का संयुक्त अभियान, कई इलाके कराए गए कब्जामुक्त

शबाना बेगम, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। पुरानी दिल्ली में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और सार्वजनिक स्थानों को अतिक्रमण मुक्त कराने के उद्देश्य से दिल्ली नगर निगम (MCD) एवं दिल्ली पुलिस ने संयुक्त रूप से विशेष अभियान चलाया। अभियान के तहत पुल मिठाई, पीली कोठी, रानी अवंतिका चौक और तीस हजारी सहित कई प्रमुख इलाकों में सड़कों, फुटपाथों तथा सार्वजनिक आवागमन के रास्तों पर किए गए अवैध कब्जों को हटाया गया। इस कार्रवाई का उद्देश्य आम नागरिकों, व्यापारियों और पैदल यात्रियों को राहत पहुंचाने के साथ-साथ यातायात को व्यवस्थित करना और सार्वजनिक मार्गों को बाधा मुक्त बनाना था।



पुरानी दिल्ली के विभिन्न इलाकों में लंबे समय से सड़कों एवं फुटपाथों पर अतिक्रमण और अवैध रूप से संचालित ई-रिक्शा के कारण यातायात प्रभावित होने की शिकायतें सामने आती रही हैं। इससे स्थानीय निवासियों, व्यापारियों और पैदल यात्रियों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी समस्या के समाधान के लिए संबंधित विभागों के समन्वय से विशेष अभियान चलाया गया। गौरतलब है कि 20 नवंबर को मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में दिल्ली सचिवालय में आयोजित इंद्रप्रस्थ हेरिटेज रीडेवलपमेंट कॉरपोरेशन की बैठक में पुरानी दिल्ली की यातायात व्यवस्था, सड़कों एवं फुटपाथों पर अतिक्रमण तथा अवैध ई-रिक्शा संचालन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई थी। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे। इसी के बाद दिल्ली नगर निगम और दिल्ली पुलिस की टीमों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। इसके अलावा चांदनी चौक, खारी बावली और चर्च मिशन रोड सहित अन्य प्रमुख क्षेत्रों में भी अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई के लिए संबंधित स्तर पर चेतावनी एवं निर्देश जारी किए गए हैं। दिल्ली नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक सड़कों, फुटपाथों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर अवैध कब्जे स्वीकार्य नहीं हैं। निगम द्वारा संबंधित विभागों के सहयोग से अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई आगे भी जारी रखी जाएगी, ताकि पुरानी दिल्ली में स्वच्छ, सुरक्षित और सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

सोने के आयात में 40 फीसदी गिरावट से हुई 16.46 अरब डॉलर की बचत : कैट

नई दिल्ली। कारोबारी संगठन कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने बीते 7 माह में सोने के आयात में करीब 40 फीसदी की गिरावट आई, जिससे 16.46 अरब डॉलर की बचत हुई है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने रविवार को इसका स्वागत करते हुए कहा कि कुछ महीने पूर्व प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों से एक वर्ष तक जरूरत न होने पर सोना न खरीदने की अपील की थी, जिसका सकारात्मक प्रभाव अब देश के आर्थिक आंकड़ों में भी दिखाई देने लगा है।खंडेलवाल ने कहा कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक बीते अप्रैल-अक्टूबर के बीच भारत ने 24.78 अरब यूएस डॉलर का सोना आयात किया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह आंकड़ा 41.24 अरब डॉलर रहा था। इस तरह पिछले 7 महीने में सोने का आयात बिल 16.46 अरब डॉलर कम रहा। कैट महामंत्री ने कहा कि अप्रैल-अक्टूबर के दौरान देश का सोने का आयात बिल करीब 40 फीसदी कम हो गया है। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि इस साल अक्तूबर में सोने का आयात सालाना आधार पर 62.6 फीसदी घटकर 5.51 अरब डॉलर रह गया, जबकि बीते साल अक्तूबर में यह 14.72 अरब डॉलर था। खंडेलवाल के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2026-27 में सोने का कुल आयात घटकर 35 से 40 अरब डॉलर रह सकता है, जबकि वर्ष 2025-26 में भारत ने लगभग 71.98 अरब डॉलर का सोना आयात किया था। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री का जिक्र करते हुए कहा कि उनके आह्वान पर देशवासियों ने एक समय भोजन छोड़कर देश का साथ दिया था, उसी भावना का परिचय आज देशवासियों ने प्रधानमंत्री मोदी के आग्रह पर दिया है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह आह्वान केवल सोने की खरीदारी कम करने का आग्रह नहीं था, बल्कि देश की आर्थिक परिस्थितियों को समझते हुए राष्ट्रीय हित में व्यक्तिगत उपभोग पर संयम रखने की एक प्रेरणादायक पहल थी।

व्यापार मेले में बिखरे मराठी संस्कृति के रंग, महाराष्ट्र पवेलियन बना आकर्षण का केंद्र



नई दिल्ली। भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में देश-विदेश की झलक देखने को मिल रही है, लेकिन हॉल नंबर 3 में सजा महाराष्ट्र पवेलियन लोगों को सबसे अधिक आकर्षित कर रहा है। पवेलियन में कदम रखते ही महाराष्ट्र की समृद्ध परंपरा, आधुनिक विकास और जीवंत लोक संस्कृति का अनोखा संगम नजर आता है। यहां कुल 64 स्टॉल लगे हैं, जहां महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों से आए कारीगर, महिला स्वयं सहायता समूह और छोटे उद्यमी अपने बेहतरीन उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैं। पवेलियन में पारंपरिक हथकरघा वस्त्र, आकर्षक हस्तशिल्प, घर की सजावट का सामान और एक जिला एक उत्पाद के तहत तैयार की गई खास वस्तुएं खरीदारों की पहली पसंद बनी हुई हैं। खरीदारी के साथ-साथ मनोरंजन और स्वाद का भी यहां पूरा इंतजाम है। पारंपरिक मराठी व्यंजनों की खुशबू और समय-समय पर होने वाले लोक नृत्य व संगीत कार्यक्रम दर्शकों का मन मोह रहे हैं।

भविष्य में प्रत्येक पौधे पर क्यूआर कोड लगाने की योजना: कुलजीत सिंह चहल

नई दिल्ली,एजेंसी। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने रविवार को कहा कि भविष्य में प्रत्येक पौधे पर क्यूआर कोड लगाने की योजना है। इस क्यूआर कोड को स्कैन करके पौधे की प्रजाति, पौधारोपण की तारीख और पौधा लगाने वाले व्यक्ति का नाम सहित अन्य जानकारी प्राप्त की जा सकेगी। कुलजीत सिंह चहल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर शुरू किए गए देशव्यापी अभियान 'एक पेड़ माँ के नाम' के अंतर्गत बीके दत्त कॉलोनी स्थित नवनिर्मित 'एक पेड़ माँ के नाम' पार्क का लोकार्पण किया और इसे क्षेत्र के निवासियों को समर्पित किया।

चहल ने कहा, 'आज पौधारोपण के दौरान पीपल, आंवला, चीकू, नींबू, अमरूद और बेलपत्र सहित विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए। भविष्य में प्रत्येक पौधे पर क्यूआर कोड लगाने की योजना है। इस क्यूआर कोड को स्कैन करके पौधे की प्रजाति, पौधारोपण की तारीख और पौधा लगाने वाले व्यक्ति का नाम सहित अन्य जानकारी प्राप्त की जा सकेगी। लोगों में उसकी देखभाल की जिम्मेदारी की भावना भी बढ़ेगी।' उन्होंने कहा कि केवल पौधा लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसकी नियमित देखभाल, पानी देना और सुरक्षा करना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने सभी लोगों से अपील की कि वे अपने लगाए गए पौधों की जिम्मेदारी लें और उन्हें पेड़ बनने तक उनकी देखभाल करें, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा और बेहतर पर्यावरण मिल सके।



चहल ने कहा कि इस पार्क का विकास क्षेत्र के निवासियों को बेहतर हरित स्थान उपलब्ध कराने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने की दिशा में एनडीएमसी का एक प्रयास है। उन्होंने इसे स्थानीय निवासियों को समर्पित करते हुए पार्क की देखभाल और रखरखाव में उनकी भागीदारी की अपील की। चहल ने कहा कि एनडीएमसी का यह प्रयास प्रधानमंत्री के 'एक पेड़ माँ के नाम' के विजन को साकार करने तथा नई दिल्ली को और अधिक हरा-भरा, स्वच्छ एवं सुंदर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर चहल ने पौधारोपण अभियान में लगातार योगदान देने वाले 'पर्यावरण प्रहरियों' को सम्मानित भी किया। इसमें पालिका सहायकों के साथ सिविल और उद्यान विभाग के वरिष्ठ कर्मचारियों को उनके सराहनीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया। इस अभियान में आरडब्ल्यूए, मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन, दूतावासों, स्कूल-कॉलेजों, विभिन्न संस्थानों और एनडीएमसी कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया है। सभी के सहयोग से यह अभियान जनभागीदारी का एक अच्छा उदाहरण बना है।

एक नजर

एक सप्ताह में 51 साइबर ठग गिरफ्तार, 3.93 लाख बरामद

फरीदाबाद। साइबर अपराधियों के खिलाफ फरीदाबाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह में 51 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त मुख्यालय हिमाद्री कौशिक के नेतृत्व में तीनों साइबर थानों की टीमों ने 14 से 20 नवंबर के बीच 10 मामलों में कार्रवाई करते हुए आरोपितों से 3 लाख 93 हजार रुपये बरामद किए। वहीं, साइबर ठगी से संबंधित शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए 11 लाख 81 हजार 931 रुपये विभिन्न बैंक खातों में फ्रीज कराए गए हैं। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों में साइबर थाना एनआईटी के चार मामलों में, साइबर थाना सेंट्रल के चार मामलों में और साइबर थाना बल्लभगढ़ के दो मामलों में कार्रवाई की गई है। इसके अलावा साइबर पुलिस टीमों ने इस अवधि में 428 शिकायतों का निस्तारण भी किया है। पुलिस उपायुक्त मुख्यालय हिमाद्री कौशिक ने आमजन से साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन ठगी होने पर बिना देरी किए तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें। पुलिस ने लोगों को अनजान लिंक पर क्लिक करने और किसी के साथ ओटीपी व बैंक संबंधी जानकारी साझा करने से बचने की सलाह दी है।

कुत्ते को पीटने से टोकने पर शराब की बोतल से हमला

गाजियाबाद,एजेंसी। सिहानी गेट थानाक्षेत्र के राहुल विहार में कुत्ते को पीटने से रोकने पर पड़ोसी ने एक परिवार पर शराब की बोतल से हमला कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। राहुल विहार स्थित एफसीआई गोदाम के पास रहने वाले प्रवीण कुमार ने सिहानी गेट थाने में शिकायत देकर बताया कि 20 नवंबर की रात वह अपने घर पर आराम कर रहे थे। इसी दौरान उनके पड़ोस में रहने वाला जगन्नाथ का बेटा आनंद एक कुत्ते को पीट रहा था। कुत्ते को पीटते देखकर उनकी पत्नी घर से बाहर आईं और आनंद को ऐसा करने से मना किया। आरोप है कि इस बात पर आनंद ने उनकी पत्नी के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और उन्हें लात मार दी। पत्नी के साथ अभद्रता और मारपीट की जानकारी मिलने पर वह भी घर से बाहर आ गए। उन्होंने आनंद को गाली देने से मना किया तो आरोपी ने उन पर हमला कर दिया। प्रवीण का आरोप है कि इसी दौरान आनंद ने शराब की बोतल उठाकर उनकी तरफ फेंक दी। बोतल दीवार से टकराकर टूट गई। बोतल का एक टुकड़ा उनके माथे पर लगा, जबकि दूसरा टुकड़ा उनके बेटे अंकित त्यागी की आंख में जा लगा। एसीपी नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद का कहना है कि आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

कर्नल के फ्लैट का ताला तोड़कर दस्तावेज और सूटकेस चोरी

गाजियाबाद,एजेंसी। गोविंदपुरम स्थित गौर होम्स में बंद फ्लैट का ताला तोड़कर सैन्य सेवा से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज, दो भरे हुए सूटकेस और अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया गया। आरोप है कि छह लोग खुद को रिश्तेदार बताकर फ्लैट में घुसे और सामान लेकर चले गए। मामले में कविनगर पुलिस ने चार नामजद और दो अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। गौर होम्स सोसाइटी में रहने वाले कर्नल राजीव गोयल के मुताबिक, 18 जुलाई 2026 के बाद वह शहर से बाहर गए थे। इस दौरान तबीयत खराब होने पर उन्हें अस्पताल में भी भर्ती रहना पड़ा। कुछ दिन पहले लौटने पर उन्हें फ्लैट में चोरी होने की जानकारी हुई। पीड़ित ने शिकायत में बताया कि 25 जुलाई 2026 को छह लोग उनके फ्लैट बी-714 पर पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने वहां मौजूद लोगों को खुद को उनका रिश्तेदार बताते हुए फ्लैट का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश कर लिया। वह कई घंटे तक फ्लैट के अंदर रहे और दो भरे हुए सूटकेस समेत अन्य सामान लेकर चले गए। पीड़ित के अनुसार, चोरी हुए दस्तावेजों में उनकी सैन्य सेवा से संबंधित कागजात भी शामिल हैं। उन्हें आशंका है कि इनका गलत इस्तेमाल कर उन्हें कानूनी या आर्थिक परेशानी में डाला जा सकता है।

पलवल में पांच साल तक हर दिन जारी रहेंगे विकास कार्य : गौरव गौतम

पलवल। पलवल के शमशाबाद में रविवार को खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने 2.59 करोड़ रुपये के गलियों के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। नगर परिषद वार्ड सात में ये काम करवाएगी। इस दौरान मंत्री ने अगले पांच वर्षों तक शहर में हर दिन विकास कार्य जारी रखने की घोषणा की। नगर परिषद की ओर से होने वाले इस काम से शमशाबाद की गलियों की तस्वीर बदलेगी। लंबे समय से बेहतर रास्तों की जरूरत महसूस कर रहे स्थानीय लोगों को इससे राहत मिलेगी। पक्की गलियां बनने से लोगों का आवागमन आसान होगा। साथ ही बारिश के दिनों में कीचड़ और जलभराव जैसी परेशानियों से भी राहत मिलने की उम्मीद है। निर्माण कार्य का शुभारंभ करने पहुंचे खेल एवं युवा अधिकारिता राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि शहर का विकास केवल मुख्य सड़कों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। हर वार्ड और मोहल्ले में रहने वाले लोगों को अच्छी सड़कें, साफ वातावरण और जरूरी सुविधाएं मिलनी चाहिए। इसी सोच के साथ शहर में अलग-अलग विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पलवल को स्वच्छ, सुंदर और आधुनिक शहर बनाने के लिए बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है।

नोएडा और दनकौर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: कार चोरी के मामले में तीन और चाकूबाजी का एक आरोपी गिरफ्तार

नोएडा,एजेंसी। गौतमबुद्धनगर जिले की पुलिस ने वाहन चोरी और जानलेवा हमला करने के दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना सेक्टर-58 की पुलिस टीम ने अस्पताल परिसर से चोरी की गई एक किआ सेल्टोस कार को बरामद करते हुए तीन लोगों को पकड़ा है। वहीं दूसरी तरफ, थाना दनकौर पुलिस ने बीते अक्टूबर महीने में हुए चाकू से हमले के मामले में एक आरोपी को दबोचने में सफलता हासिल की है।



थाना सेक्टर-58 के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार के अनुसार, पुलिस टीम ने रविवार को सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय सूचनाओं की सहायता से कार चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। इन तीनों आरोपियों को सेक्टर-57 स्थित जुबिलेंट पार्क के पास से पकड़ा गया है। पुलिस ने इनके पास से चोरी की गई किआ सेल्टोस कार को भी बरामद कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी रंजीत अपने कंधे का इलाज कराने के उद्देश्य से सेक्टर-62 स्थित फोर्टिस अस्पताल आया हुआ था। उसके साथ उसका साथी शांतनु भी आया था। रात के समय दोनों आरोपी अस्पताल की पार्किंग में घूम रहे थे। इसी दौरान पार्किंग में खड़ी किआ सेल्टोस कार पर उनकी नजर पड़ी। दोनों ने किसी तरह पार्किंग से उस कार की चाबी उठा ली। रंजीत के कंधे में चोट लगी हुई थी और शांतनु को कार चलाना नहीं आता था। इस वजह से उन दोनों ने अपने एक अन्य दोस्त निकुंज मनि को फोन करके वहां बुला लिया। इसके बाद निकुंज मनि और शांतनु कार चोरी करके अस्पताल परिसर से निकल गए। वहीं, रंजीत अगले दिन अस्पताल से डिस्चार्ज लेकर अपने घर कासगंज चला गया था। थाना सेक्टर-58 पुलिस द्वारा पकड़े गए तीनों आरोपी उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले के रहने वाले हैं। पुलिस की गिरफ्त में आए पहले आरोपी का नाम निकुंज मनि है, जिसकी उम्र 20 वर्ष है और वह कासगंज के बिलराम गेट का रहने वाला है। दूसरे आरोपी की पहचान 22 वर्षीय रंजीत कुमार के रूप में हुई है, जो कासगंज के अशोक नगर का निवासी है। वहीं, तीसरे आरोपी का नाम शांतनु यादव है, जिसकी उम्र 19 वर्ष है और वह कासगंज की रामबली कॉलोनी में रहता है। दूसरे मामले में थाना दनकौर पुलिस ने चाकू से हमला करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है।

30 हजार रुपये रिश्वत लेते एडिशनल एसएचओ रंगे हाथ गिरफ्तार

गुरुग्राम। शिवाजी नगर थाने में तैनात एडिशनल एसएचओ सब-इंस्पेक्टर नरपाल सिंह को राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की गुरुग्राम टीम ने 30 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोप है कि सब-इंस्पेक्टर ने एक शिकायत का निपटारा करने और शिकायतकर्ता के खिलाफ मुकदमा दर्ज नहीं करने की एवज में दो लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। सौदा 60 हजार रुपये में तय हुआ और रविवार को रिश्वत के 60 हजार की आधी पहली किस्त के 30 हजार रुपये लेते ही एसीबी की टीम ने उसे रंग हाथ पकड़ा। एसीबी के अनुसार, शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि भूपेंद्र द्वारा उसके खिलाफ शिवाजी नगर थाने में शिकायत दी गई थी। इस मामले में सब इंस्पेक्टर नरपाल सिंह उस पर भूपेंद्र और अरसद दोनों को नाजायज पैसे देने का दबाव बना रहा था। पैसे नहीं देने पर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की धमकी दी जा रही थी।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि मामले को रफा-दफा करने के नाम पर सब इंस्पेक्टर ने दो लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। बातचीत के बाद 60 हजार रुपये में सहमति बनी। शिकायतकर्ता के पास 30 हजार रुपये की ही व्यवस्था होने पर पहली किस्त देने का निर्णय हुआ। शिकायत मिलने के बाद एसीबी गुरुग्राम की टीम ने जाल बिछाया। निर्धारित योजना के तहत जैसे ही नरपाल सिंह ने शिकायतकर्ता से 30 हजार रुपये की रिश्वत ली, टीम ने उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को पकड़ने के दौरान राजपत्रित अधिकारी के रूप में धर्मेंद्र कुमार, एसडीओ डीएचबीएनवीएल मौजूद रहे।

गुरुग्रामः शादी के दिन दूल्हा हुआ गायब, मंडप में बैठी रही दुल्हन

गुरुग्राम,एजेंसी। फर्रुखनगर क्षेत्र में शादी के दिन दूल्हे के अचानक लापता होने से एक परिवार की खुशियां पलभर में परेशानी और तनाव में बदल गईं। दुल्हन शादी के जोड़े में मंडप में बैठकर बारात का इंतजार करती रही, लेकिन दूल्हा बारात लेकर नहीं पहुंचा। घंटों इंतजार के बाद भी जब कोई सूचना नहीं मिली तो लड़की पक्ष की चिंता बढ़ गई। मामला फर्रुखनगर के मुबारिकपुर गांव का है। गांव की एक लड़की का रिश्ता कालियावास निवासी नरेश के साथ तय हुआ था। गांव के सरपंच सतबीर सिंह के अनुसार, 18 नवंबर को लगन की रस्म हुई थी और 20 नवंबर को शादी होनी निर्धारित थी। पहले लड़की पक्ष पंचायत भवन में शादी करना चाहता था, लेकिन लड़के पक्ष की सहमति नहीं मिलने पर वाटिका में समारोह आयोजित करने की तैयारी की गई।

शादी वाले दिन वाटिका में रिश्तेदारों और ग्रामीणों की भीड़ जुटी हुई थी। शाम करीब छह बजे कन्यादान की रस्म भी पूरी हो गई, लेकिन रात नौ बजे तक बारात नहीं पहुंची। इसके बाद परिजन सरपंच को साथ लेकर दूल्हे के घर पहुंचे। वहां नरेश नहीं मिला। बताया गया कि उसके परिवार के सदस्य उसकी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करवाने थाने गए हुए हैं। सरपंच के मुताबिक, बाद में जानकारी मिली कि नरेश घर से बिना बताए चला गया है। उसने अपनी मां के फोन पर संदेश भेजा था कि वह चार-पांच दिन बाद वापस लौटेगा। सरपंच सतबीर सिंह ने बताया कि लड़की के पिता का पहले ही निधन हो चुका है। उसका 20 वर्षीय भाई सन्नी मजदूरी करता है, जबकि मां भी मेहनत-मजदूरी करके परिवार का पालन-पोषण करती है। बेटी की शादी के लिए परिवार ने अपनी पुश्तैनी जमीन तक बेच दी थी। लड़की पक्ष का दावा है कि शादी की तैयारियों पर करीब 25 से 30 लाख रुपये खर्च किए गए। घटना के बाद लड़की गहरे सदमे में है और परिजनों से भी बातचीत नहीं कर रही है। वहीं, लड़की ने शिकायत में आरोप लगाया है कि 20 नवंबर को 15 से 20 लोग उनके गांव पहुंचे और परिवार को परेशान किया। मामले को लेकर पुलिस ने दोनों पक्षों को 26 नवंबर को थाने में पेश होने के लिए बुलाया है। सबसे दुखद पहलू यह है कि बेटी की शादी के लिए परिवार ने अपनी पुश्तैनी जमीन तक बेच दी थी और करीब 25 से 30 लाख रुपये खर्च किए थे।

नोएडा में निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य मेला आयोजित

अशोक कुमार, सद्भावना टुडे



नोएडा। शहरवासियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और निवारक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नोएडा डायबिटिक फोरम द्वारा रविवार को निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य मेला-2026 आयोजित किया गया। सेक्टर-12 स्थित सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में लगे इस शिविर में 1470 लोगों ने पहुंचकर विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य जांच कराई। इस दौरान लोगों ने विशेषज्ञ डॉक्टरों से निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श भी प्राप्त किया। नवंबर महीने को डायबिटीज माह के रूप में मनाया जाता है और इसी अवसर पर इस विशेष शिविर का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में जुनून चैरिटेबल सोसाइटी और नोएडा एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन (एनईए) ने अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

नोएडा डायबिटिक फोरम के अध्यक्ष डॉ. जीसी वैष्णव ने कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उनकी संस्था वर्ष 1996 से ही सामुदायिक स्वास्थ्य और जनजागरूकता के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रही है। डॉ. जीसी वैष्णव के अनुसार यह शिविर 'आपका स्वास्थ्य ही आपकी सबसे बड़ी पूंजी है' के संदेश के साथ आयोजित किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य यही है कि लोग समय रहते संभावित बीमारियों की पहचान कर सकें और सही समय पर डॉक्टरों से परामर्श ले सकें। स्वास्थ्य मेले में आए लोगों के लिए कई तरह की चिकित्सीय जांचें पूरी तरह से मुफ्त रखी गई थीं। शिविर में ब्लड शुगर, एचबीए1सी, फाइब्रोस्कैन (लिवर जांच), बोन मिनरल डेंसिटी (बीएमडी) और लंग फंक्शन टेस्ट (पीएफटी) की जांच की गई। इसके अलावा न्यूरोपैथी स्क्रीनिंग, ईसीजी, लिपिड प्रोफाइल और यूरिक एसिड समेत कई अन्य जांचें भी निःशुल्क की गईं। स्वास्थ्य मेले में दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न प्रसिद्ध अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों से आए 35 अनुभवी विशेषज्ञ डॉक्टरों ने लोगों को निःशुल्क परामर्श दिया। परामर्श देने वाले डॉक्टरों में यथार्थ, मेदांता, फेलिक्स, कैलाश, मेट्रो, नियो, सुमित्रा, मानस, मैक्स, आई केयर आई हॉस्पिटल, विनायक, इंडोगल्फ, एनएमएच और प्रकाश अस्पताल के चिकित्सक शामिल रहे। आयोजन के दौरान संस्था द्वारा ग्रामीण और पर्वतीय क्षेत्रों में चलाई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में भी जानकारी साझा की गई।

घर के बाहर बैठकर बेच रहा था गांजा, एचएसएनसीबी ने तस्कर को किया गिरफ्तार

नूंह,एजेंसी। नूंह जिले में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एचएसएनसीबी) की फरीदाबाद यूनिट ने गांव इंडरी में गांजा बेचने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान विक्रम निवासी गांव इंडरी, थाना रोजका मेव के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक किलो 323 ग्राम गांजा बरामद किया है। आरोपी अपने घर के बाहर पैड़ी पर बैठकर गांजा बेचने का काम करता था। एचएसएनसीबी फरीदाबाद यूनिट के इंचार्ज इंस्पेक्टर संग्राम सिंह के अनुसार, उनकी टीम थाना रोजका मेव क्षेत्र में नशा विरोधी गश्त कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि गांव इंडरी निवासी विक्रम अवैध रूप से गांजा बेचने का कारोबार करता है। वह अपने घर के बाहर बैठकर गांजा बेचता है और उस समय भी काले रंग के पिट्ठू बैग में गांजा लेकर किसी को देने के लिए घर के बाहर मौजूद है।



सूचना के आधार पर टीम ने तुरंत गांव इंडरी में दबिश दी। मौके पर मुखबिर के बताए स्थान पर एक व्यक्ति घर के सामने पैड़ी पर बैठा मिला, जिसके हाथ में काले रंग का पिट्ठू बैग था। पुलिस टीम ने उसे काबू कर पूछताछ की तो उसने अपनी पहचान विक्रम निवासी इंडरी के रूप में बताई। पुलिस टीम ने नियमानुसार बैग की तलाशी ली तो उसमें रखी सफेद प्लास्टिक की थैली से गांजा बरामद हुआ। डिजिटल कांटे पर तौल करने पर प्लास्टिक थैली सहित गांजे का कुल वजन 1 किलो 323 ग्राम पाया गया। आरोपी गांजे से संबंधित कोई वैध लाइसेंस या परमिट पेश नहीं कर सका। इस मामले में थाना रोजका मेव में एफआईआर के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जांच के बाद एचएसएनसीबी की टीम ने आरोपी को थाना रोजका मेव पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस अब आरोपी से गांजे की सप्लाई के स्रोत और इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों के बारे में पूछताछ कर रही है।

विश्व मत्स्यिकी दिवस पर छपरौला में जागरूकता शिविर

नोएडा,एजेंसी। विश्व मत्स्यिकी दिवस के अवसर पर तहसील दादरी के ग्राम छपरौला में एक दिवसीय जन-जागरूकता एवं पंजीकरण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में क्षेत्र के करीब 40 मत्स्य पालकों ने हिस्सा लिया। शिविर में पहुंचे किसानों और मत्स्य पालकों को मत्स्य पालन से संबंधित गतिविधियों तथा विभागीय योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रभारी मत्स्य अधिकारी एवं मत्स्य निरीक्षक हरिशंकर त्रिपाठी ने बताया कि शिविर के दौरान राष्ट्रीय मत्स्य डिजिटल प्लेटफॉर्म (एनएफडीपी) पोर्टल पर 13 मत्स्य पालकों और मत्स्य गतिविधियों से जुड़े किसानों का पंजीकरण कराया गया। यह पंजीकरण विभाग और कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) के माध्यम से पूरा किया गया। शिविर में पोर्टल पर पंजीकृत हुए किसानों को प्रमाणपत्र भी बांटे गए। शिविर में मत्स्य पालकों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा गया।

सोने के भाव में गिरावट से शादी वाले परिवारों में खुशी

फरीदाबाद। सोने की कीमतों में लगातार गिरावट से सर्राफा बाजार में एक बार फिर रौनक लौटने लगी है। शादी-ब्याह वाले परिवारों के चेहरे भी खिल उठे हैं। महंगे सोने के कारण अब तक आभूषणों की खरीदारी टाल रहे लोग कीमतों में कमी आते ही बाजार का रुख कर रहे हैं। कोई अपनी बेटी की शादी के लिए गहने खरीद रहा है तो कोई घर आने वाली नई बहू के लिए आभूषण बनवा रहा है। दीवाली के बाद से अब तक सोने के भाव में करीब 16 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। आठ नवंबर को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत करीब 1.48 लाख रुपये थी, जो अब घटकर लगभग 1.27 लाख रुपये रह गई है।

सोने के दामों में आई इस गिरावट से सर्राफा कारोबारियों को भी राहत मिली है। दीवाली से पहले सोने की आसमान छूती कीमतों के कारण बाजार में खरीदारी काफी सीमित हो गई थी। शादी वाले परिवार भी बजट बिगड़ने के डर से नए आभूषण खरीदने से बच रहे थे। कई परिवार पुराने पुश्तैनी गहनों को बदलवाकर नए डिजाइन के आभूषण तैयार करवा रहे थे। नए सोने की खरीदारी करने वाले लोग भी वजन और संख्या में कटौती कर रहे थे। इसका असर सर्राफा कारोबार पर भी पड़ रहा था। एनआईटी एक बाजार के सर्राफ व्यापारी विशाल नौनिहाल ने बताया कि सोने के दाम से मार्केट में फर्क आया है। लोग अब पुराने सोने के नए आभूषण बनवाने के साथ नया सोना खरीद रहे हैं।

सोने की कीमतों में गिरावट आने के बाद बाजार में ग्राहकों की आवाजाही बढ़ने लगी है। लोग अपनी आर्थिक क्षमता के अनुसार सोने की चेन, अंगूठी, कंगन, हार और अन्य आभूषण खरीद रहे हैं। शादी में बेटी को देने के लिए गहनों की खरीदारी के साथ ही नई बहू के स्वागत की तैयारियां भी तेज हो गई हैं। शादी में शामिल होने वाले रिश्तेदार भी अब मुंह दिखाई के लिए सोने के आभूषण खरीदने पर विचार कर रहे हैं। कारोबारियों को उम्मीद है कि कीमतों में कमी का सिलसिला जारी रहा तो आने वाले दिनों में खरीदारी और बढ़ सकती है।

नोएडा में पुलिस मुठभेड़ के बाद 3 शातिर मोबाइल स्नेचर गिरफ्तार

नोएडा,एजेंसी। शहर में मोबाइल फोन लूट और स्नेचिंग की वारदातों को अंजाम देने वाले एक शातिर गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। थाना सेक्टर-24 पुलिस की टीम ने मुठभेड़ और कॉम्बिंग के दौरान तीन बदमाशों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गया। वहीं, उसके दो अन्य साथियों को पुलिस ने आसपास की घेराबंदी कर मौके से दबोच लिया। पकड़े गए आरोपियों के पास से 31 चोरी और स्नेचिंग के मोबाइल, नकद रुपये और अवैध हथियार बरामद हुए हैं।

एडीसीपी नोएडा अभय कुमार मिश्रा ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि 21 नवंबर को थाना सेक्टर-24 पुलिस क्षेत्र में गश्त पर थी। पुलिस टीम प्रकाश हॉस्पिटल से गंदे नाले के पुल के पास संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर तीन युवक वहां आते हुए दिखाई दिए। पुलिसकर्मियों ने उन्हें शक के आधार पर रुकने का इशारा किया। लेकिन पुलिस को देखते ही वे अपनी मोटरसाइकिल को मोड़कर भागने की कोशिश करने लगे। पुलिस टीम ने तुरंत उनका पीछा करना शुरू कर दिया। भागने की हड़बड़ाहट में बदमाशों की मोटरसाइकिल अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर फिसलकर गिर गई। अपने आपको पुलिस से घिरता देख मोटरसाइकिल पर पीछे बैठे एक बदमाश ने पुलिस टीम को निशाना बनाते हुए गोली चला दी। बदमाश द्वारा गोली चलाए जाने पर पुलिस टीम ने भी अपना बचाव करते हुए जवाबी कार्रवाई की। पुलिस की ओर से की गई जवाबी फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लग गई और वह मौके पर गिर पड़ा। घायल बदमाश की पहचान 23 वर्षीय नीरज पुत्र कैलाश के रूप में हुई है। नीरज गाजियाबाद के साहिबाबाद स्थित पप्पू कॉलोनी का रहने वाला है। पुलिस ने घायल बदमाश नीरज के पास से एक तमंचा, एक खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। गोली लगने से घायल नीरज को पुलिस ने इलाज के लिए तुरंत

मुरादनगर में प्लास्टिक गोदाम में भीषण आग से मची अफरा-तफरी

गाजियाबाद,एजेंसी। मुरादनगर थाना क्षेत्र के रावली रोड पर जीवन अस्पताल के पास एक बड़े प्लास्टिक गोदाम में भीषण आग लग गई। गोदाम में प्लास्टिक और वेस्ट मटेरियल रखे होने के कारण आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग की ऊंची लपटें उठती देख आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही मोदीनगर फायर स्टेशन से प्रभारी अग्निशमन अधिकारी दो फायर टैंकरों के साथ मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का अभियान शुरू किया।

दमकल कर्मियों ने फायर टैंकर से दो होज पाइप लाइन बिछाकर मोटर फायर इंजन की मदद से आग बुझानी शुरू की। आग की विकरालता को देखते हुए मुख्य अग्निशमन अधिकारी गाजियाबाद को इसकी जानकारी दी गई। उनके निर्देश पर वैशाली फायर स्टेशन से एक वाटर बाउजर और कोतवाली फायर स्टेशन से एक वाटर बाउजर व एक फायर टैंकर मौके पर भेजा गया। इसके अलावा स्थानीय पुलिस के निर्देश पर ऑर्डिनेंस फैक्ट्री मुरादनगर से भी एक फायर टैंकर सहायता के लिए पहुंचा।

कई दमकल गाड़ियों और फायर कर्मियों ने करीब आठ घंटे तक कड़ी मशक्कत की। दमकल



टीम ने आग को आसपास फैलने से पहले ही पूरी तरह बुझा दिया। इससे गोदाम में रखा शेष सामान सुरक्षित बचा लिया गया और बड़ा नुकसान होने से बच गया। इस अग्निकांड में कोई जनहानि नहीं हुई, हालांकि एक टाटा छोटा हाथी वाहन जल गया। वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर पता नहीं चल सका। मौके पर स्थानीय पुलिस के साथ गोदाम मालिक सोनू मलिक पुत्र यामिन मलिक, सोनू पुत्र इकबाल, फिरोज पुत्र शुकरा और शादाब पुत्र महबूब सहित अन्य लोग मौजूद रहे। फायर विभाग के अनुसार करीब आठ घंटे की कार्रवाई के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया।

देश के बाहर भारतीय चुनावी व्यवस्था को भ्रष्ट सिद्ध करने का अभियान क्यों

हृदयनारायण दीक्षित



नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भारतीय राजनीति से निराश हैं। जनता उनकी पार्टी को घास नहीं डालती। इसीलिए वे अब अमेरिका की शरण में हैं। वे अमेरिका में भारत की बदनामी में अतिरिक्त सक्रिय हैं। वे भारत में 2024 के चुनाव को अवैध सिद्ध करने का अभियान चला रहे हैं। दरअसल 2014, 2019 व 2024 के आम चुनाव के नतीजे राहुल की पार्टी के विपरीत रहे। लगातार हारते हुए राहुल गांधी लस्त-पस्त हैं। वे तय नहीं कर पा रहे हैं कि खुले मन से हार स्वीकार करें या कांग्रेस मजबूत करें या भारतीय चुनाव प्रणाली को निशाने पर लेते रहें। वे 19 नवंबर 2026 के दिन अमेरिका के शिकागो विश्वविद्यालय में थे। राजनीति विज्ञान के छात्रों और अध्यापकों को संबोधित करते हुए राहुल ने साल 2024 के आम चुनाव को पूरी तरह से अवैध ठहराया। वे भूल गए कि इसी विश्वविद्यालय में भारतीय धर्म दर्शन की श्रेष्ठता पर स्वामी विवेकानंद ने महत्वपूर्ण भाषण दिया था। अच्छा होता कि वे विवेकानंद से प्रेरणा लेते और यूनिवर्सिटी में भारतीय लोकतंत्र की प्रशंसा करते। वे भूल गए कि 2024 के जिस चुनाव को वे अवैध बता रहे हैं, वे स्वयं इसी चुनाव के परिणामों के आधार पर नेता प्रतिपक्ष निर्वाचित हुए हैं। वो ये भी भूल गए कि वे अमेरिका में हैं और भारतीय लोकतंत्र की मूल भावना को कुठाराघात कर रहे हैं। राहुल ने यह भी कहा है कि कांग्रेस को 2024 के लोकसभा चुनाव के समय से ही चुनावी गड़बड़ी का अंदेशा था। अब उनके पास सबूत आ गए हैं। मूलभूत प्रश्न है कि वे देश के बाहर भारतीय चुनाव को भ्रष्ट सिद्ध करने के अभियान को क्यों चला रहे हैं? क्या अमेरिका उनकी बेचैनी का कोई समाधान कर सकता है? क्या हजारों वर्ष प्राचीन संस्कृति वाले राष्ट्र भारत की चुनाव प्रणाली में कोई हस्तक्षेप करने की स्थिति में है? इसका उत्तर साफ है कि भारत संप्रभु राष्ट्र है। भारत दुनिया के किसी भी देश के दबाव या प्रभाव में काम नहीं करता। भारत स्वभाव से ही लोकतंत्र का उपासक है। भारत में वैदिककाल से ही सभा और समितियां हैं। भारतीय धर्म दर्शन में सहमति और असहमति की सांस्कृतिक निरंतरता है। भारत को दुनिया के किसी अन्य देश से प्रेरित होने की आवश्यकता नहीं है। लोकतंत्र भारत की जीवनशैली है। राहुल पराजित मानसिकता के कारण वाणी और व्यवहार का समन्वय भी नहीं कर पाते। राहुल की पार्टी जहां-जहां हारती है वहां वहां ईवीएम पर आरोप लगाती है। चुनाव आयोग पर भी तथ्यहीन आरोप लगाती है।

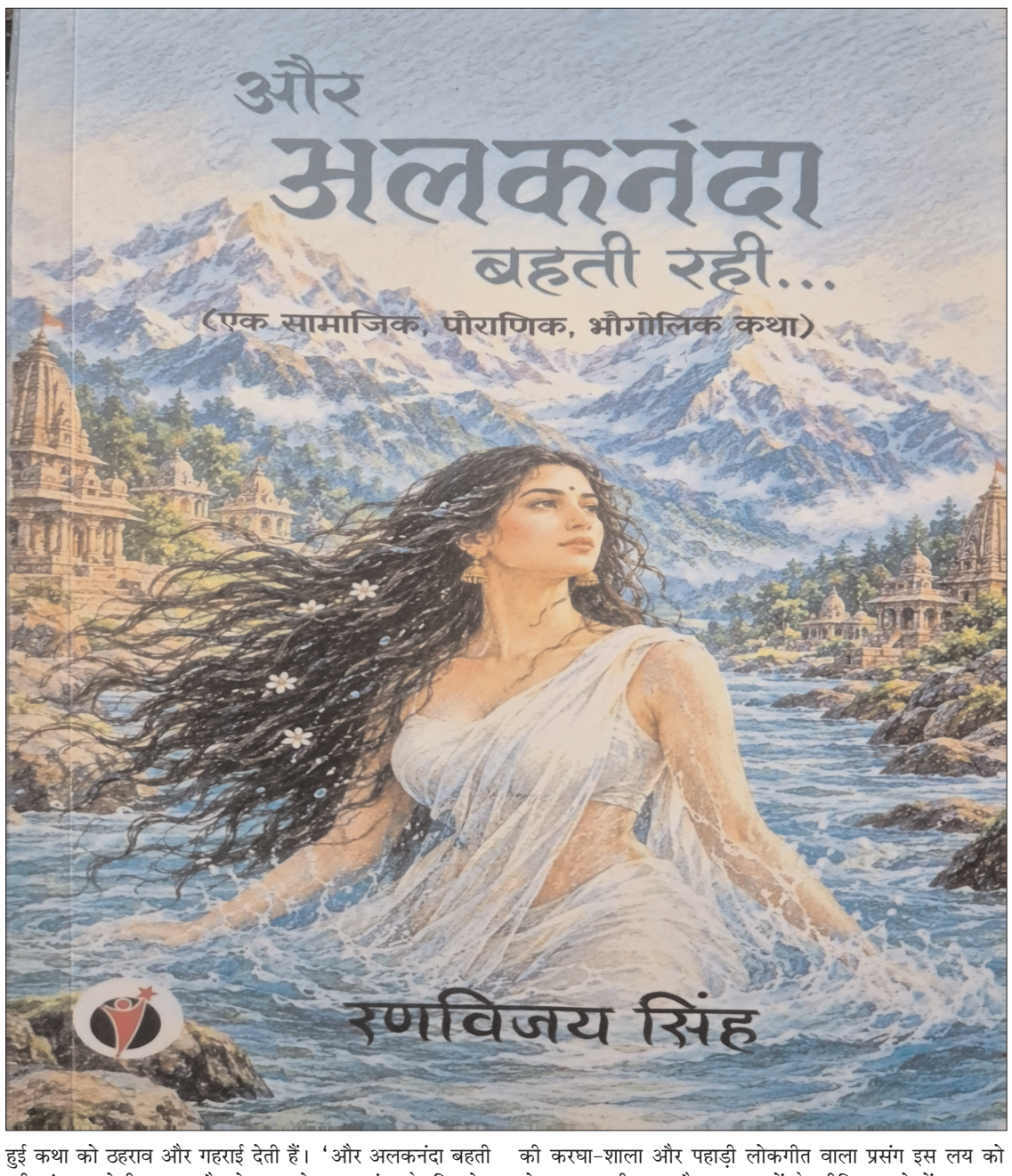
भारत में संविधान की सत्ता है। संविधान को मानना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। राहुल जैसे नेता संविधान का सम्मान नहीं करते। संवैधानिक संस्थाओं पर हमला बोलना, संविधान से इनकार करना है। संविधान को न मानने वाले भारत के नागरिक नहीं हो सकते। राहुल की पार्टी संसद चलने नहीं देती। संसद ही सहमति और असहमति व्यक्त करने का सर्वोपरि संवैधानिक निकाय है। लोकतंत्र में संवैधानिक निष्ठा अनिवार्य है लेकिन वे न्यायालयों की गरिमा का ध्यान नहीं रखते। भारतीय चुनाव आयोग की प्रशंसा सारी दुनिया में होती है। इसी अपने चुनाव आयोग की भर्त्सना निन्दा मर्यादाहीन आचरण को भी पार करती है। हालांकि अमेरिका में उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में यह भी कहा है कि भारतीय लोकतंत्र हमारे लिए पवित्र है। उनका बयान उचित है लेकिन इसी लोकतंत्र को वे लगातार अपमानित कर रहे हैं। चुनाव लड़कर संसद या विधान मण्डल में पहुंचना प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार है। सरकार बनाने चुनाव के माध्यम से यथाविधि सत्ता प्राप्त करने की संवैधानिक व्यवस्था को चुनौती नहीं दी जा सकती। सत्ता अराजकता फैला कर नहीं मिलती है। संविधान का कोई विकल्प नहीं होता।

उनकी पार्टी का जनाधार समाप्त हो गया है तो ये उनकी समस्या है। भारत भूमि से बाहर भारतीय अर्थव्यवस्था के भरभरा के गिर जाने की घोषणा भी राहुल ने की है। वे अर्थशास्त्र के जानकार नहीं हैं। ब्रिटेन में भी संसदीय व्यवस्था है। ब्रिटिश संसद में भी नेता विरोधी दल होते हैं। ऐसा अवसर कभी नहीं आया कि ब्रिटेन के नेता विरोधी दल दुनिया के किसी भी अन्य देश में अपनी व्यवस्था की निन्दा करते। ब्रिटेन के राजनैतिक दल लेबर और कंजरवेटिव आपस में अपने देश के भीतर ही खूब बहस करते हैं। नीतियों की आलोचना करते हैं। यूरोप के देशों में कोई विपक्षी दल या नेता देश के बाहर देश की निन्दा नहीं करते। संयुक्त राज्य अमेरिका की संघीय व्यवस्था राज्यों की राजनीति को तमाम अवसर देती है। वहां दो विपरीत विचारधारा के राजनैतिक दल हैं रिपब्लिकन और डेमोक्रेट। लेकिन अमेरिका के किसी विपक्षी नेता ने अपने देश के बाहर अपने देश की निन्दा नहीं की। भारत विशाल लोकतंत्र है। यहां के नेता प्रतिपक्ष को हल्की बातें नहीं करनी चाहिए। उन्हें उच्च सुशिक्षित अर्थशास्त्रियों की सही परामर्श देने वाली एक टीम अपने पास रखनी चाहिए। आयात और निर्यात के आंकड़े भी देखने चाहिए। उनका सम्यक विश्लेषण भी करते रहना चाहिए। वित्त मंत्री की तरफ से तमाम आंकड़े दिए गए हैं। प्रधानमंत्री ने भी समय-समय पर अर्थव्यवस्था पर विचार व्यक्त किए हैं। प्राचीन परम्परा के अनुसार राजा को अर्थशास्त्र का ज्ञाता होना चाहिए। महाभारत के प्रसंग में नारद युधिष्ठिर के राजभवन पहुंचे। उन्होंने युधिष्ठिर से पूछा कि क्या अर्थचिन्तन के लिए समय निकालते हैं? युधिष्ठिर हां करते हैं। वाल्मीकि रामायण के अनुसार भरत श्रीराम को वापस अयोध्या लाने के लिए वन गए थे। श्रीराम ने उनसे कई प्रश्न पूछे। उनमें से एक महत्वपूर्ण प्रश्न अर्थशास्त्र के लिए भी था। कौटिल्य ने अर्थशास्त्र में भी अर्थचिन्तन को जरूरी बताया है। यूरोपीय अर्थशास्त्रियों में एडम स्मिथ और मार्शल आदि के नाम सम्मान सहित लिए जाते हैं। राहुल जी को भारतीय अर्थव्यवस्था पर टिप्पणी करते समय प्राचीन प्रसंगों को आधुनिक संदर्भ में पढ़ना और समझना चाहिए। वोट चोरी का मंत्र और शोर अनुचित है। सबसे बड़ी बात है कि वक्तव्य देने का उचित समय और उचित स्थान। देश के बाहर ऐसे वक्तव्य देने से अपने देश की ही बदनामी होती है। यह कृत्य संविधान और संस्कृति का अपमान है। ऐसा कृत्य निन्दनीय है।

लेखक ने इस कथा में सूत्रधार के रूप में मुख्य पात्र देवदत्त को रखा जो काशी का ऐसा युवा खोजी है, जिसका मन किताबों और शास्त्रों के रूखे शब्दों से नहीं भरता। वह सत्य को पढ़ना नहीं, जीना चाहता है। इसके लिए वह सतोपंथ से देवप्रयाग तक अलकनंदा के साथ-साथ चलता है। माणा, बदरीनाथ, ज्योतिर्मठ, धारी देवी और श्रीनगर से गुजरते हुए यह सफर साधारण भूगोल या यात्रा-वृत्तांत तक सीमित नहीं रहता, बल्कि हर पड़ाव पर एक नया दार्शनिक मोड़ लेता है। इस उपन्यास की सबसे दिलचस्प बुनावट पंचप्रयाग को नायक की चेतना के पांच पड़ावों में ढालना है। यहां यात्रा के मोड़ भीतर के भावों का आईना बन जाते हैं–विष्णुप्रयाग में अहंकार पिघलता है, नंदप्रयाग में आध्यात्मिक आनंद का स्पर्श होता है, कर्णप्रयाग करुणा और त्याग की गहराई दिखाता है, रुद्रप्रयाग का मंथन भीतर के शोर को सामने लाता है और देवप्रयाग में नाम व रूप के विसर्जन के साथ 'गंगा' के अखंड स्वरूप का बोध होता है। पुस्तक का दिल धड़कता है 'अलकनंदा बनाम गंगा' के उस विमर्श में, जहां लेखक ने नदी को एक नायिका की तरह देखा है। उर्मिला के चौदह वर्ष के मौन विरह और यशोधरा के त्याग की याद दिलाते हुए यह सवाल उठाया गया है कि जो धारा मार्ग की तमाम नदियों को समेटकर देवप्रयाग में अपना नाम तक सौंप देती है, आगे उसी महाधारा को 'गंगा' क्यों कहा जाता है।

पुस्तक समीक्षा: और अलकनंदा बहती रही...

सचिन बुधौलिया



दुनिया गंगा को भागीरथी का विस्तार मानती आई है लेकिन देवप्रयाग में जब तक भागीरथी का अलकनंदा से मिलन नहीं होता है तब तक गंगा, गंगा नहीं होती है। इसी अलकनंदा की अनकही यात्रा को पहली बार स्वर, शब्द और कथा का रूप दे कर संसार को बताने के लिए एक पुस्तक आई है 'और अलकनंदा बहती रही... '। एक जिज्ञासु और संवेदनशील यात्री के रूप में छुट्टी मनाने देवभूमि उत्तराखंड में विचरते हुए रणविजय सिंह को नदी की धारा ने इस कदर झकझोरा कि उनके हाथ में कब कलम आई और कब कथा कागज पर उतरने लगी, वह खुद भी समझ नहीं पाए। इस अनायास बने लेखक के अलकनंदा के उद्गम सतोपंथ हिमनद से देवप्रयाग तक प्रवाह के किनारे चलते चलते लिखे शब्दों ने गंगा के समान एक आध्यात्मिक उपन्यास का रूप ले लिया।

लेखक ने इस कथा में सूत्रधार के रूप में मुख्य पात्र देवदत्त को रखा जो काशी का ऐसा युवा खोजी है, जिसका मन किताबों और शास्त्रों के रूखे शब्दों से नहीं भरता। वह सत्य को पढ़ना नहीं, जीना चाहता है। इसके लिए वह सतोपंथ से देवप्रयाग तक अलकनंदा के साथ-साथ चलता है। माणा, बदरीनाथ, ज्योतिर्मठ, धारी देवी और श्रीनगर से गुजरते हुए यह सफर साधारण भूगोल या यात्रा-वृत्तांत तक सीमित नहीं रहता, बल्कि हर पड़ाव पर एक नया दार्शनिक मोड़ लेता है। इस उपन्यास की सबसे दिलचस्प बुनावट पंचप्रयाग को नायक की चेतना के पांच पड़ावों में ढालना है। यहां यात्रा के मोड़ भीतर के भावों का आईना बन जाते हैं—विष्णुप्रयाग में अहंकार पिघलता है, नंदप्रयाग में आध्यात्मिक आनंद का स्पर्श होता है, कर्णप्रयाग करुणा और त्याग की गहराई दिखाता है, रुद्रप्रयाग का मंथन भीतर के शोर को सामने लाता है और देवप्रयाग में नाम व रूप के विसर्जन के साथ 'गंगा' के अखंड स्वरूप का बोध होता है। पुस्तक का दिल धड़कता है 'अलकनंदा बनाम गंगा' के उस विमर्श में, जहां लेखक ने नदी को एक नायिका की तरह देखा है। उर्मिला के चौदह वर्ष के मौन विरह और यशोधरा के त्याग की याद दिलाते हुए यह सवाल उठाया गया है कि जो धारा मार्ग की तमाम नदियों को समेटकर देवप्रयाग में अपना नाम तक सौंप देती है, आगे उसी महाधारा को 'गंगा' क्यों कहा जाता है। लेखक मानते हैं कि भागीरथी गंगा को धरती पर लाने वाला संकल्प और अलकनंदा उसे पूर्णता प्रदान करने वाली साधना है। यह पुस्तक इसी अनकही साधना, नदी के किनारे चलती एक बाहरी यात्रा और भीतर चलती एक गहरी अंतर्यात्रा की कथा है। पौराणिक प्रसंग यहां धूल झाड़कर पुराने किस्सों की तरह नहीं आते, बल्कि देवदत्त की डायरी के जरिए आज के समय से जुड़ते हैं। माणा की सरस्वती और पांडवों के प्रस्थान से लेकर ज्योतिर्मठ, हनुमान चट्टी, गंधमादन के आयुर्वेदिक सूत्र और श्रीनगर की कथा तक हर प्रसंग एक नई परत खोलता है। वहीं, 2013 की केदारनाथ आपदा और धारी देवी से जुड़े संदर्भ किताब को केवल भक्ति या पौराणिकता तक नहीं रहने देते, बल्कि विकास की रफ्तार के बीच प्रकृति की चेतावनी को भी तीखे ढंग से सामने रखते हैं। भाषा के स्तर पर यह कृति संस्कृतनिष्ठ, काव्यात्मक और लयबद्ध है। सतोपंथ ताल के पानी से लेकर देवप्रयाग के संगम तक के दृश्य शब्दों में ऐसे उभरते हैं जो यह महसूस कराते हैं कि मानो पाठक खुद पहाड़ी पगडंडी पर कदम रख रहा हो। हर पड़ाव पर लिखी जाने वाली डायरी की पंक्तियां भागती हुई कथा को ठहराव और गहराई देती हैं। 'और अलकनंदा बहती रही...' एक ऐसी पुस्तक है जो आपको अलकनंदा के किनारे-किनारे चलाती है, पर मंजिल पर पहुंचकर आप पाते हैं कि आप नदी के साथ नहीं, अपने भीतर चल रहे थे। लेखक ने एक नदी को नायिका बनाकर, त्याग की उस मौन परंपरा को आवाज दी है, जिसे इतिहास ने भुला दिया था। हालांकि, हर यात्रा की तरह यहां भी कुछ उबड़-खाबड़ मोड़ हैं। कई जगह काव्यात्मकता की अधिकता से कथा की गति धीमी पड़ती है और देवदत्त का स्वर कभी-कभी लेखक के विचार जैसा सुनाई देता है। बीस अध्यायों में बार-बार दोहराया जाने वाला ढांचा थोड़ा एकरस लगता है—हालांकि बुनकर की करघा-शाला और पहाड़ी लोकगीत वाला प्रसंग इस लय को तोड़कर ताजगी लाता है। 126 पृष्ठों के सीमित दायरे में रुद्रप्रयाग और धारी देवी जैसे प्रसंगों को और अधिक जगह मिलने की गुंजाइश भी महसूस होती है। इसके बावजूद, ये कमियां किताब की मूल संवेदना को फीका नहीं करतीं। 5 में से 4 रेटिंग पाने वाली यह पुस्तक उन पाठकों के लिए खास है जो पहाड़ों और पंचप्रयाग को केवल नक्शे पर नहीं, भीतर भी महसूस करना चाहते हैं—और यह समझना चाहते हैं कि कभी-कभी पहचान मिटाकर भी धारा कैसे जीवित रहती है। इस पुस्तक का प्रकाशन दिल्ली के स्वतंत्र प्रकाशन ने किया है।

विचार

भारत निर्माण में एनसीसी की बदलती भूमिका और युवा शक्ति का नया दृष्टिकोण

एनसीसी दिवस पर विशेष लेख

राकेश मिश्रा

वर्ष 2002 में मैं 2 यूपी आर्टिलरी एनसीसी का कैडेट था। एक प्रशिक्षण शिविर के दौरान हमारे कमान अधिकारी कर्नल त्रिपाठी ने वर्दी का महत्व समझाते हुए कहा था कि सेना हो या एनसीसी, वर्दी केवल पहनावा नहीं होती। वह त्याग, समर्पण, अनुशासन, जिम्मेदारी, सेवा और राष्ट्र के प्रति निष्ठा का प्रतीक है। उसकी गरिमा कभी कम नहीं होनी चाहिए। वर्षों बाद भी उनकी यह सीख मेरे मन में उतनी ही स्पष्ट है। आज समझ आता है कि एनसीसी का उद्देश्य केवल युवाओं को वर्दी पहनाना नहीं बल्कि उन्हें उस वर्दी के मूल्यों के अनुरूप चरित्रवान और जिम्मेदार नागरिक बनाना है। भारत में एनसीसीदिवस हर साल नवंबर महीने के चौथे रविवार को मनाया जाता है। साल 2026 में यह 22 नवंबर को एनसीसीका 79वां स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। 1948 में नवंबर के चौथे रविवार को ही राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की पहली यूनिट दिल्ली में स्थापित की गई थी। एनसीसी दिवस पर प्रश्न केवल यह नहीं होना चाहिए कि संगठन ने कितनी उपलब्धियां हासिल कीं, बल्कि यह भी होना चाहिए कि आने वाले भारत के निर्माण में उसकी भूमिका कितनी निर्णायक हो सकती है। राष्ट्रीय कैडेट कोर ने 1948 से अब तक देश के युवाओं में अनुशासन, एकता और सेवा की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रक्षा मंत्रालय की जनवरी 2026 की जानकारी के अनुसार, एनसीसी की पहुंच देश के 90 प्रतिशत से अधिक जिलों तक है। इसके कैडेटों की संख्या लगभग 20 लाख है और इनमें करीब 40 प्रतिशत बालिका कैडेट हैं। यह व्यापक पहुंच संगठन की ताकत है लेकिन अब अगला लक्ष्य केवल संख्या बढ़ाना नहीं बल्कि प्रशिक्षण की गुणवत्ता और उसके सामाजिक परिणामों को बेहतर बनाना होना चाहिए। किसी कैडेट की सफलता केवल परेड में उसके प्रदर्शन या प्रमाणपत्र से नहीं मापी जानी चाहिए। यह भी देखा जाना चाहिए कि वह कठिन परिस्थिति में निर्णय कैसे लेता है, टीम के साथ कैसे काम करता है, तकनीक का उपयोग कितनी समझदारी से करता है और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी किस तरह निभाता है। एनसीसी को उपस्थिति और गतिविधियों के आधार पर ही नहीं बल्कि प्रशिक्षित युवा की वास्तविक क्षमता और उसके योगदान के आधार पर भी परखा जाना चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देशभर में लगभग 75 हजार एनसीसी कैडेटों ने स्वेच्छा से नागरिक प्रशासन की सहायता, चिकित्सा सहयोग, राहत सामग्री वितरण और सामुदायिक सेवा जैसे कार्यों में भाग लिया। यह योगदान एनसीसी की उस क्षमता को सामने लाता है, जो सामान्य प्रशिक्षण से आगे बढ़कर राष्ट्रीय आवश्यकता के समय उपयोगी सिद्ध होती है।

भारत भौगोलिक और जलवायु की दृष्टि से विविध चुनौतियों वाला देश है। कहीं बाढ़, कहीं भूस्खलन, कहीं चक्रवात तो कहीं अन्य प्राकृतिक आपदाएँ आती हैं। ऐसे में प्राथमिक उपचार, सुरक्षित निकासी, संचार, राहत प्रबंधन और नागरिक सुरक्षा का व्यावहारिक प्रशिक्षण युवाओं को सक्षम बना सकता है। 'युवा आपदा मित्र' योजना के अंतर्गत 28 राज्यों के 315 जिलों के लगभग 94,400 एनसीसी कैडेटों को आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण से जोड़ने की पहल की गई। इसे नियमित अभ्यास और व्यावहारिक दक्षता के मूल्यांकन से जोड़ना चाहिए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर कैडेट प्रशिक्षित सहयोगी की भूमिका निभा सकें। आज राष्ट्रीय सुरक्षा केवल सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं है। साइबर हमले, डिजिटल धोखाधड़ी, तकनीकी निर्भरता और सूचना की विश्वसनीयता भी नई चुनौतियाँ हैं। ड्रोन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी तकनीकें सुरक्षा, उद्योग, कृषि और आपदा प्रबंधन तक अनेक क्षेत्रों को प्रभावित कर रही हैं। एनसीसी में ड्रोन प्रशिक्षण की शुरुआत एक महत्वपूर्ण कदम है। जनवरी, 2026 में रक्षा मंत्रालय ने चार दूरस्थ विमान संचालन प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से कैडेटों को ड्रोन उड़ान प्रशिक्षण दिए जाने की जानकारी दी थी। लेकिन प्रशिक्षण का उद्देश्य केवल ड्रोन उड़ाना सिखाना नहीं होना चाहिए। इसमें तकनीक की समझ, सुरक्षित संचालन, रखरखाव, नियमों का पालन और उसके उपयोग की सीमाओं की जानकारी भी शामिल होनी चाहिए। इसी प्रकार, एनसीसी और राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के बीच अप्रैल, 2026 में शुरू किया गया साइबर सुरक्षा कार्यक्रम उल्लेखनीय है। इसके पहले चरण में सभी नामांकित कैडेटों के लिए 15 घंटे का ऑनलाइन जागरूकता प्रशिक्षण और चयनित कैडेटों के लिए 60 घंटे का व्यावहारिक साइबर डिफेंडर प्रशिक्षण निर्धारित किया गया है। ऐसी पहल से कैडेट केवल तकनीक के उपयोगकर्ता नहीं, बल्कि डिजिटल सुरक्षा के जिम्मेदार और जागरूक नागरिक भी बन सकते हैं।

एक नजर

सईद सिद्दीकी को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के पंचायती राज विभाग में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाए जाने पर बगहा एवं वाल्मीकिनगर के पदाधिकारियों ने दी बधाई

● संगठन को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत बनाने और पंचायतों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने की जताई उम्मीद

बगहा, पश्चिम चंपारण,सद्भावना टुडे । राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के पंचायती राज विभाग में श्री सईद सिद्दीकी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपे जाने पर बगहा पुलिस जिला एवं वाल्मीकिनगर लोकसभा क्षेत्र के पार्टी



पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पंचायती राज विभाग के जिला अध्यक्ष श्री जितेंद्र गुप्ता, वाल्मीकिनगर लोकसभा अध्यक्ष श्री प्रदीप शर्मा, अनुमंडल अध्यक्ष श्री पिंटू कुमार, श्री नंदकिशोर राय, श्रीमती सुंदरपति देवी, श्री चंदेश्वर महतो एवं श्री मोहम्मद मुस्लिम ने सईद सिद्दीकी को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। पार्टी पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि सईद सिद्दीकी अपने संगठनात्मक अनुभव, राजनीतिक सक्रियता और जनसरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता के बल पर पंचायती राज विभाग को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती प्रदान करेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में पंचायतों के विकास, ग्रामीण जनता की समस्याओं तथा जनप्रतिनिधियों के अधिकारों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा। पदाधिकारियों ने कहा कि सईद सिद्दीकी को राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलना संगठन के लिए गौरव का विषय है। उनके नेतृत्व और मार्गदर्शन से पार्टी संगठन को नई ऊर्जा, मजबूती एवं नई दिशा मिलने की उम्मीद है। सभी पदाधिकारियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य और सफल संगठनात्मक कार्यकाल की कामना करते हुए विश्वास जताया कि वह पार्टी की विचारधारा एवं जनहित के मुद्दों को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

भागलपुर के लाल अनुज कुमार रॉय को मिलेगा 'शोभना सम्मान-2026

भागलपुर। अंग क्षेत्र की सांस्कृतिक और कलात्मक प्रतिभा ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर जिले का मान बढ़ाया है। भागलपुर के निवासी, चर्चित फिल्म निर्देशक, लेखक और वरिष्ठ मीडिया कर्मी अनुज कुमार रॉय को कला की श्रेणी में प्रतिष्ठित 'शोभना सम्मान-2026' से विभूषित किया जाएगा। वर्तमान में नई दिल्ली स्थित दूरदर्शन समाचार (डीडी न्यूज़) में कंटेंट प्रोड्यूसर के पद पर कार्यरत श्री रॉय का मीडिया, साहित्य, सिनेमा और रंगमंच के क्षेत्र में गहरा और सक्रिय योगदान रहा है। उनकी इस उपलब्धि से भागलपुर के कला और साहित्य जगत में हर्ष का माहौल है। अनुज कुमार रॉय बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं। साहित्य के क्षेत्र में उनकी लेखनी का जादू 'एक पल की छांव' और 'जीवन के उस पार' जैसी चर्चित पुस्तकों में देखने को मिलता है। वहीं, निर्देशन के क्षेत्र में उन्होंने 'खामोशी', 'आत्मग्लानि', 'क्लॉकिंग', 'माघ पूर्णिमा', 'कार्यंजलि', 'महुआ घटवारिन', 'यमुना पार' और 'भक्षण 1.0' जैसी सार्थक व संवेदनशील फिल्मों का निर्माण कर अपनी अलग पहचान बनाई है। रंगमंच से भी उनका गहरा जुड़ाव रहा है। उन्होंने 'कड़वा सच', 'आफत में यमराज', 'बिहुला', 'मंदार' और 'सबक' जैसे कई यादगार नाटकों के मंचन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कला के प्रति उनके समर्पण को पहले भी कई मंचों पर सराहा जा चुका है। उन्हें पूर्व में 'कला कोविद', 'कर्ण पुरस्कार' और 'तिलकामांझी राष्ट्रीय सम्मान' से नवाजा जा चुका है। इसके अतिरिक्त, विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सवों में उन्हें बेस्ट डायरेक्टर, बेस्ट फिल्म और बेस्ट स्टोरी के खिताब भी हासिल हो चुके हैं। 'शोभना सम्मान-2026' की घोषणा के बाद स्थानीय कलाकारों और बुद्धिजीवियों ने उन्हें बधाई दी है।

विक्रमशिला सेतु पर अंतिम गर्डर लॉन्चिंग पूरी, स्लैब ढलाई शुरू; 14 जनवरी तक फर्राटा भरेंगे भारी वाहन

भागलपुर। अंग क्षेत्र को कोसी और सीमांचल से जोड़ने वाली लाइफलाइन विक्रमशिला सेतु के जीर्णोद्धार कार्य ने निर्णायक मोड़ ले लिया है। सेतु के क्षतिग्रस्त हिस्सों पर अंतिम स्टील गर्डर लॉन्चिंग का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। इसके तुरंत बाद पुल पर स्लैब ढलाई का काम युद्धस्तर पर शुरू कर दिया गया है। निर्माण एजेंसी और प्रशासन का लक्ष्य है कि मकर संक्रांति यानी 14 जनवरी तक इस पुल को भारी वाहनों के परिचालन के लिए भी पूरी तरह खोल दिया जाए। गौरतलब है कि इस वर्ष 3 और 4 मई की दरमियानी रात को विक्रमशिला सेतु के पाया संख्या 133 के पास एक बड़ा स्लैब टूटकर गंगा नदी में समा गया था। इसके बाद अस्थायी तौर पर बेली ब्रिज बनाकर छोटे वाहनों का परिचालन शुरू किया गया था, लेकिन स्थायी पुनर्स्थापन के लिए 30 सितंबर की रात से पुल पर आवागमन पूरी तरह बंद कर दिया गया। निर्माण कार्य में जुटी एसपी सिंगला कंपनी की टीम ने देश के विभिन्न हिस्सों से बुलाए गए विशेषज्ञों की निगरानी में टूटे हुए मुख्य हिस्से के साथ-साथ तीन अन्य क्षतिग्रस्त स्लैब को काटकर वहां स्टील ट्रस्ट गर्डर स्थापित कर दिए हैं। तकनीकी टीम के अनुसार, 15 दिसंबर तक स्लैब की ढलाई का कार्य पूरा कर लिया जाएगा। कंक्रीट की ढलाई के बाद उसकी मजबूती सुनिश्चित करने के लिए क्यूरिंग (तराई) की जाएगी।

नीलगाय के आतंक से फसलों को बचाने के लिए कृषि विभाग ने जारी किए देसी व पारंपरिक नुस्खे

कटिहार। जिले में नीलगाय (घोड़परास) के झुंड द्वारा रबी व बागवानी फसलों को पहुंचाए जा रहे नुकसान को देखते हुए कृषि विभाग ने किसानों के लिए विशेष एडवाइजरी जारी की है। जिला कृषि पदाधिकारी-सह-परियोजना निदेशक (आत्मा) राजीव कुमार ने गेहूँ, मक्का, केला, दलहन, तिलहन और सब्जी उत्पादक किसानों को फसलों की सुरक्षा के लिए वैज्ञानिक, देसी और सामूहिक उपाय अपनाने की सलाह दी है। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी है कि नीलगाय को भगाने के लिए किसान किसी भी स्थिति में खुले बिजली के तार, विस्फोटक, खतरनाक फंदे या जहरीले पदार्थों का उपयोग न करें। जारी परामर्श के अनुसार, गेहूँ, मक्का, दलहन, तिलहन व सब्जियों की प्रारंभिक और कोमल अवस्था में खेतों के चारों ओर बांस, मजबूत जाली या कांटेदार पौधों की जीवित बाड़ लगाएं तथा मेड़ों पर चमकीले रिबन व रिफ्लेक्टिव टेप बांधें। केले के बागानों के प्रवेश मार्गों पर मजबूत घेराबंदी करने और खेतों के आसपास सौर ऊर्जा आधारित लाइट लगाने को कहा गया है। देसी उपायों के तहत नीम, धतूरा, करंज, बेहया और आक (मदार) की पत्तियों को लगभग दो लीटर गोमूत्र व पानी के साथ सड़ाकर तैयार घोल को छानकर खेतों के चारों ओर छिड़कने की सलाह दी गई है, जो 80 से 90 प्रतिशत तक कारगर हो सकता है।

दरभंगा हवाई अड्डे का नाम महाकवि विद्यापति के नाम पर करने का प्रधानमंत्री से करेंगे आग्रह : सम्राट चौधरी

पटना,एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि दरभंगा हवाई अड्डे का नामकरण महाकवि विद्यापति के नाम पर करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आग्रह करेंगे। महाकवि विद्यापति मिथिला की महान पहचान हैं। उनकी प्रतिमा राजकीय सम्मान के साथ स्थापित की जाएगी। दरभंगा एयरपोर्ट को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं से युक्त बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री रविवार को दरभंगा जिले के नागेन्द्र झा स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि दरभंगा हवाई अड्डे का रन-वे चार किलोमीटर लंबा होगा, जो पटना एयरपोर्ट के रन-वे से लगभग डेढ़ गुना होगा। यहां से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के संचालन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। दरभंगा हवाई अड्डे का विस्तार गयाजी और पटना एयरपोर्ट से भी बड़ा होगा। इसके लिए जमीन अधिग्रहण का कार्य शुरू हो गया है। नए टर्मिनल भवन का निर्माण मार्च 2027 से पहले पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके उद्घाटन के लिए भी प्रधानमंत्री से आग्रह किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने मिथिला की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि बिहार के विद्यालयों में कक्षा एक से छह तक मैथिली भाषा में पढ़ाई की व्यवस्था की जाएगी। मां सीता के नाम पर एक विश्वविद्यालय की स्थापना भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि ज्ञान, साहित्य, कला और संस्कृति की इस पावन धरती मिथिला को आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार हरसंभव प्रयास करेगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के साथ लगातार काम कर रहे हैं।



प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश और बिहार में आधारभूत संरचना के विकास की दिशा में कई कार्य किए जा रहे हैं। कोसी-मेची लिंक परियोजना के लिए भी केंद्र सरकार ने आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई है। दरभंगा में एम्स के निर्माण के लिए मिट्टी भराई और टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इससे मिथिला और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मिथिला मखाना और दूध उत्पादन का प्रमुख केंद्र है। मखाना आज देश ही नहीं, पूरी दुनिया में सुपर फूड के रूप में पहचान बना चुका है। इससे किसानों को लाभ मिल रहा है। देश में उत्पादित कुल मखाने का लगभग 80 प्रतिशत बिहार में होता है। राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। औद्योगिक विकास की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030 तक बिहार में 30 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन करना है। इसी अवधि तक एक करोड़ परिवारों को उद्यमी बनाने का लक्ष्य भी निर्धारित किया गया है। गयाजी में 1700 एकड़ में इंडस्ट्रियल कॉरिडोर विकसित किया गया है। इसी तर्ज पर दरभंगा में भी इंडस्ट्रियल कॉरिडोर विकसित करने की दिशा में काम शुरू किया जाएगा। इससे क्षेत्र में निवेश, रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम स्थल के समीप विभिन्न विभागों की ओर से विकास योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों से संबंधित स्टॉल लगाए गए थे। इनमें कला एवं संस्कृति, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, उद्योग, शिक्षा, गन्ना उद्योग, अल्पसंख्यक कल्याण, श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण तथा दिव्यांगजन सशक्तिकरण एवं सामाजिक सुरक्षा सहित अन्य विभागों के स्टॉल शामिल थे। मुख्यमंत्री ने इनका अवलोकन कर विभागीय योजनाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने लाभार्थियों के बीच सांकेतिक चेक, आयुष्मान कार्ड और बैटरी चालित ट्राईसाइकिल सहित अन्य लाभों का वितरण किया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने महाकवि विद्यापति की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। उन्होंने विद्यापति सेवा संस्थान की ओर से प्रकाशित 'मिथिलाक गाम' पुस्तक के खंड-3 और 'अर्पण' स्मारिका का विमोचन किया। मिथिला सेवा संस्थान ने मुख्यमंत्री को मिथिला विभूति सम्मान से सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने रिमोट के माध्यम से 346 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 105 विकासात्मक परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 103 परियोजनाओं का उद्घाटन और दो परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

20 दिसंबर को सीवान में होगा विराट सोनार महासमागम

सीवान। सीवान में आगामी 20 दिसंबर 2026 को प्रस्तावित विराट सोनार महासमागम को ऐतिहासिक और भव्य बनाने की तैयारियां तेज हो गयी हैं। इसको लेकर आयोजन समिति की पहली वर्किंग कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गयी।

बैठक में महासमागम की विस्तृत रूपरेखा, आयोजन की तैयारियों, संगठनात्मक जिम्मेदारियों और कार्यक्रम की सफलता को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में मौजूद पदाधिकारियों एवं सदस्यों के बीच अलग-अलग कार्यों का बंटवारा कर उन्हें जिम्मेदारी सौंपी गयी। बैठक में पश्चिमी चंपारण के सांसद प्रतिनिधि प्रदीप सर्राफ ने उपस्थित सदस्यों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि विराट सोनार महासमागम केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि समाज की एकजुटता, आपसी समन्वय और संगठनात्मक शक्ति को प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। इसे ऐतिहासिक बनाने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता जरूरी है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समयबद्ध तरीके से करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी आपसी तालमेल के साथ काम करें, ताकि आयोजन की प्रत्येक व्यवस्था बेहतर और व्यवस्थित हो सके। बैठक का मुख्य उद्देश्य महासमागम की तैयारियों को गति देना और आयोजन से जुड़े विभिन्न कार्यों को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करना था। इसके लिए पदाधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां आवंटित की गयीं। साथ ही आयोजन की भव्यता और सफलता सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक प्रयास करने पर सहमति बनी। बैठक में इस बात पर भी जोर दिया गया कि महासमागम में समाज के अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो और कार्यक्रम सामाजिक एकता का मजबूत संदेश दे। बैठक में अखिल भारतीय स्वर्णकार संघ के राष्ट्रीय सचिव रुपेश कुमार उर्फ रुपेश सर्राफ, विराट सोनार महासमागम के संरक्षक सदस्य आनंद कुमार, अखिल भारतीय स्वर्णकार संघ के बिहार प्रदेश अध्यक्ष सत्यम भारतीय, जिला अध्यक्ष आनंद सोनी, प्रधान महासचिव सुधांशु सोनी, महासचिव विजय सोनी, कोषाध्यक्ष मुन्ना सोनी, उपाध्यक्ष अरविंद सोनी एवं विनय सोनी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा संगठन के पूर्व जिला अध्यक्ष राजकुमार सोनी, अर्जुन सोनी, विदित सोनी, कंचन सोनी, प्रकाश सोनी सहित स्वर्णकार समाज के कई गणमान्य व्यक्ति और सदस्य बैठक में शामिल हुए।

सिविल सर्जन ने बच्चों को पिलाई पोलियो की दो बूंद, पांच दिवसीय अभियान का शुभारंभ

सीवान। जिले में रविवार से पांच दिवसीय पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत हो गयी। सदर प्रखंड के पुरैना दलित बस्ती में आयोजित कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. श्रीनिवास प्रसाद ने बच्चों को पोलियो की दो बूंद दवा पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी विजय प्रकाश मीणा ने की। इस अवसर पर डीएम ने भी बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई। स्वास्थ्य विभाग ने 22 से 26 नवंबर तक चलने वाले इस अभियान के तहत जिले में शून्य से पांच वर्ष तक के 4 लाख 16 हजार 704 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

सिविल सर्जन डॉ. श्रीनिवास प्रसाद ने बताया कि अभियान की सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। टीकाकर्मियों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण देने के साथ ही निर्धारित माइक्रोप्लान के अनुसार उनकी जिम्मेदारियां तय कर दी गयी हैं। जिले में 5 लाख 39 हजार 970 घरों तक पहुंचने की कार्ययोजना बनायी गयी है, ताकि कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित नहीं रहे। अभियान के सफल संचालन के लिए जिले में कुल 1508 टीमें गठित की गयी हैं। इनमें 1306 हाउस-टू-हाउस टीमें, 147 ट्रांजिट टीमें, 35 मोबाइल टीमें और 20 वन-मैन टीमें शामिल हैं। इन टीमों के कामकाज की निगरानी के लिए 475 पर्यवेक्षकों की तैनाती की गयी है। वहीं, वैक्सीन के सुरक्षित भंडारण और वितरण के लिए 122 सब डिपो एवं डिपो निर्धारित किये गये हैं। अभियान के दौरान रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और प्रमुख चौक-चौराहों पर भी विशेष टीकाकरण व्यवस्था रहेगी। इसके लिए ट्रांजिट टीमें तैनात की गयी हैं। ईंट-भट्ठों, बासा, दूर-दराज के इलाकों और प्रवासी परिवारों के बच्चों पर भी विशेष नजर रखी जायेगी। मोबाइल टीमें ऐसे स्थानों पर पहुंचकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलायेंगी, जहां नियमित टीमों की पहुंच मुश्किल होती है। नवजात शिशुओं को भी अभियान में शामिल करने और उनके नाम नियमित टीकाकरण की ड्यू लिस्ट में दर्ज करने पर जोर दिया गया है। सिविल सर्जन ने बताया कि अभियान के दौरान वैक्सीन की पर्याप्त उपलब्धता और कोल्ड चेन व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है। बच्चों की पहचान के लिए इंडेलिबल इंक मार्कर पेन का इस्तेमाल किया जायेगा। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं, भले ही उन्हें पहले भी खुराक दी जा चुकी हो।

सरकारी स्कूलों के बच्चों को निजी विद्यालयों से आगे ले जाने का होगा प्रयास : शिक्षा मंत्री

सीवान,एजेंसी। महाराजगंज शहर स्थित गोरख सिंह महाविद्यालय में रविवार को रूटकेयर फाउंडेशन स्कॉलरशिप टेस्ट 2026 का पारितोषिक वितरण समारोह आयोजित किया गया। समारोह में बिहार के शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने सफल छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाना है, ताकि वहां पढ़ने वाले बच्चे निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों से आगे निकल सकें। शिक्षा मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शिक्षा के प्रति काफी संवेदनशील हैं। शिक्षा से संबंधित कोई भी प्रस्ताव उनके समक्ष रखा जाता है तो वे उसे तत्काल स्वीकृति देते हैं।

उन्होंने रूटकेयर फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. मंजेश पाण्डेय की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में इस तरह की पहल समाज के लिए सराहनीय है। सरकार ने 700 सरस्वती विद्या निकेतन स्थापित करने का निर्णय लिया है, जहां बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने का प्रयास होगा। इसके साथ ही सभी विद्यालयों में कंप्यूटर शिक्षा अनिवार्य की गई है। शिक्षकों की सुविधाओं और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उनका स्थानांतरण भी किया जा रहा है। उन्होंने बेटियों की शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि पढ़ेगी बेटियां, बढ़ेगी बेटियां। आज बेटियां हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। उन्हें बेहतर अवसर और प्रोत्साहन देकर आगे बढ़ाना जरूरी है। शांति नेत्रालय के निदेशक शैलेश त्रिपाठी ने कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी के नेतृत्व में बिहार शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ अनुशासन और मेहनत को जीवन का हिस्सा बनाने की सलाह दी। समारोह में शिक्षा मंत्री ने विभिन्न सरकारी विद्यालयों के दर्जनों मेधावी छात्र-छात्राओं के साथ फाउंडेशन के सदस्यों को मेमेंटो और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। वहीं शांति नेत्रालय के निदेशक शैलेश त्रिपाठी ने शिक्षा मंत्री को मेमेंटो और अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. मंजेश पाण्डेय ने की, जबकि संचालन प्रधानाध्यापक अमरेंद्र कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर गोरख सिंह महाविद्यालय के निदेशक प्रो. अभय कुमार सिंह, डॉ. वीणा सिंह, शैलेश त्रिपाठी, चंदन दुबे, सुप्रिया जायसवाल, डॉ. सोनिया चौहान, कादिर खान, प्रो. मुरारी पाण्डेय, झाम बाबा सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे। समारोह में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षक और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।



बिहार में 2030 तक बाल विवाह की दर पांच फीसदी लाने का लक्ष्य

- पटना में बाल विवाह मुक्त बिहार बनाने के लिए सरकार, प्रशासन और नागरिक संगठनों ने साझा रणनीति पर किया मंथन
- पिछले चार वर्षों में बिहार में 70 हजार से अधिक बाल विवाह रोके गए : जेआरसी

पटना,एजेंसी। बिहार को बाल विवाह मुक्त बनाने के संकल्प के साथ रविवार को पटना में सरकार, प्रशासन और नागरिक समाज संगठनों के प्रतिनिधि एक मंच पर जुटे। उन्होंने 2030 तक बाल विवाह की दर को पांच फीसदी तक लाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए रोकथाम, जवाबदेही और जमीनी स्तर पर सामूहिक प्रयासों को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

बिहार को बाल विवाह मुक्त बनाने की दिशा में ठोस रणनीति तैयार करने के उद्देश्य से जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) ने अपने सहयोगी संगठनों के साथ पटना स्थित दीप नारायण सिंह क्षेत्रीय सहकारी प्रबंधन संस्थान में 'बाल विवाह मुक्त बिहार' विषय पर राज्यस्तरीय परामर्श आयोजित किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि योजना एवं विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव डॉ. एन. विजय लक्ष्मी ने बाल विवाह की रोकथाम के लिए राज्य में जारी प्रयासों को और मजबूत बनाने की जरूरत बताई।

डॉ. विजय लक्ष्मी ने कहा कि हर बच्ची को पढ़ने, आगे बढ़ने और अपने भविष्य का फैसला खुद लेने का अधिकार है। बाल विवाह मुक्त बिहार का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब गांव-गांव में समुदाय इसकी जिम्मेदारी उठाएंगे। उन्होंने सभी आकांक्षी जिलों में सामूहिक रूप से काम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि बच्चों और उनके बचपन से जुड़े विषय हमेशा उनकी प्राथमिकता रहे हैं और जहां भी सहयोग की जरूरत होगी, वह तत्पर रहेंगी। उन्होंने कहा कि बिहार से बाल विवाह को जड़ से खत्म करने के लिए बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देना होगा। इसके लिए प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा, तीनों स्तरों को मजबूत बनाने की आवश्यकता है। बिहार राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष डॉ. अमरदीप ने कहा कि पिछले 20 वर्षों में दुनिया ने काफी प्रगति की है और अनेक बदलाव आए हैं, लेकिन बाल विवाह जैसी



कुरीतियां अब भी कायम हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि बाल विवाह मुक्त बिहार का संकल्प असंभव नहीं है और सभी के सामूहिक प्रयासों से इसे निश्चित रूप से हासिल किया जा सकता है।

दीप नारायण सिंह क्षेत्रीय सहकारी प्रबंधन संस्थान के निदेशक अनिल तिवारी ने कहा कि बिहार के गांवों में 8,000 से अधिक सहकारी समितियां हैं। बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने के अभियान में इन समितियों की मदद ली जा सकती है। उन्होंने इस अपराध के खिलाफ अभियान तेज करने के लिए सभी संबंधित पक्षों से सहकारी समितियों के साथ मिलकर काम करने की अपील की। एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन (एवीए) की महासचिव प्रियंका ऋभु ने कहा कि सामूहिक प्रयासों से देश को बाल विवाह मुक्त बनाया जा सकता है और यह पूरी दुनिया के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि होगी। उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों में देशभर में छह लाख से अधिक बाल विवाह रोके गए हैं। एक करोड़ से ज्यादा बच्चियों को कम उम्र में विवाह के बंधन में बंधने से बचाया गया है। इसके अलावा 12 लाख से अधिक बच्चियों को स्कूलों से जोड़ा गया और 44 लाख परिवारों को रोजगार तथा सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया गया। उन्होंने बताया कि 27 नवंबर को केंद्र सरकार की अगुवाई में बाल विवाह के विरुद्ध पहला अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाएगा।

उन्होंने उम्मीद जताई कि इस अवसर पर 50 करोड़ से अधिक लोग बाल विवाह के खात्मे का संकल्प लेंगे। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश पाल ने बताया कि संगठन ने बिहार के सहयोगी संगठनों के साथ पिछले चार वर्षों में राज्य के विभिन्न जिलों में प्रशासन और कानून लागू करने वाली एजेंसियों की मदद से 70 हजार से अधिक बाल विवाह रोके हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 के अनुसार बिहार में बाल विवाह की दर में छह फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। यह राज्य सरकार, प्रशासन और सामाजिक संगठनों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि बिहार अभी भी राष्ट्रीय औसत से पीछे है, जो चुनौती है। बाल विवाह की दर को 2030 तक पांच फीसदी पर लाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए अभियान और तेज करने की जरूरत है।कार्यक्रम में एसोसिएशन फॉर वॉलंटरी एक्शन (एवीए) की ओर से राष्ट्रीय समन्वयक धनंजय टिंगल, ब्रजेश मिश्रा और जसप्रीत मल्होत्रा ने भाग लिया। इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन (आईसीपी) की ओर से डॉ. मुख्तारुल हक, डॉ. संगीता गौड़ और संतोष दुबे मौजूद रहे। इसके अलावा एवीए और जेआरसी के राज्यभर से आए सहयोगी संगठनों के प्रतिनिधियों तथा बाल अधिकार कार्यकर्ताओं ने भी परामर्श में हिस्सा लिया।

एक नजर

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हुए मुशफिकुर रहीम



सेंचुरियन,एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच से पहले बांग्लादेश की टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के अनुभवी बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम ग्रोइन इंजरी के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट 23 नवंबर से सेंचुरियन में खेला जाना है। आईसीसी वेबसाइट के अनुसार मुशफिकुर को पहले टेस्ट के दौरान चोट लगी थी। इसके बाद उनका एमआरआई स्कैन कराया गया, जिसमें पेल्विक बोन के आसपास सूजन और जलन का पता चला है। बांग्लादेश की राष्ट्रीय टीम के फिजियोथेरेपिस्ट बायजेदुल इस्लाम खान ने खिलाड़ी की स्थिति के बारे में अपडेट देते हुए बताया कि उन्हें तुरंत आराम और रिहैबिलिटेशन की जरूरत है। बायजेदुल इस्लाम खान ने कहा कि पहले टेस्ट मैच के दौरान मुशफिकुर ने बाएं ग्रोइन क्षेत्र में तेज दर्द की शिकायत की थी। टेस्ट के बाद उनका एमआरआई स्कैन कराया गया, जिसके नतीजों में पेल्विक बोन के आसपास सूजन और जलन की पुष्टि हुई। उन्होंने कहा कि चोट को और गंभीर होने से रोकने तथा इससे उबरने के लिए उन्हें तत्काल आराम और विशेष रिहैबिलिटेशन की जरूरत है। इसी वजह से वह दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। मुशफिकुर रहीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट की पहली पारी में खाता भी नहीं खोला था, जबकि दूसरी पारी में वह 22 रन बनाकर आउट हुए थे। इस मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने पांचवें दिन नौ विकेट से जीत दर्ज की थी। मुशफिकुर रहीम के अलावा बांग्लादेश को तेज गेंदबाज हसन महमूद की फिटनेस को लेकर भी चिंता है। दाएं हाथ की कोहनी में परेशानी के कारण उनके दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाकी मुकाबलों में खेलने पर भी संशय बना हुआ है। दोनों खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी बांग्लादेश के लिए बड़ा झटका होगा। ऐसे में टीम प्रबंधन के सामने दूसरे टेस्ट के लिए संतुलित प्लेइंग इलेवन चुनने की चुनौती होगी। फिलहाल साउथ अफ्रीका अभी बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से आगे है।

मध्य रेल की अनुपमा रामचंद्रन ने जीती विश्व महिला स्नूकर चैंपियनशिप



मुंबई। मध्य रेल के खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर खेल जगत में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। मध्य रेल की खिलाड़ी अनुपमा रामचंद्रन ने इंदौर में आयोजित आईबीएसएफ विश्व महिला स्नूकर चैंपियनशिप 2026 का खिताब जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है। वहीं, मध्य रेल की निशानेबाजी टीम ने पश्चिम बंगाल के आसनसोल में आयोजित 59वीं अखिल भारतीय रेलवे शूटिंग चैंपियनशिप में ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। मध्य रेल की ओर से रविवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अनुपमा रामचंद्रन ने 17 से 21 नवंबर तक इंदौर में आयोजित विश्व स्नूकर चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला वर्ग का खिताब जीता। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में नौ देशों की 22 महिला खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। अनुपमा ने विश्व बिलियर्ड्स चैंपियन एवं मध्य रेल के वरिष्ठ खेल अधिकारी तथा अनुभवी कोच अशोक शांडिल्य के मार्गदर्शन में यह उपलब्धि हासिल की। इसी तरह, 16 से 20 नवंबर तक आसनसोल में आयोजित 59वीं अखिल भारतीय रेलवे शूटिंग चैंपियनशिप में मध्य रेल की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में भारतीय रेल की विभिन्न क्षेत्रीय रेलों और उत्पादन इकाइयों की 15 टीमों के कुल 120 निशानेबाजों ने हिस्सा लिया। मध्य रेल ने 16 खिलाड़ियों की टीम के साथ प्रतियोगिता में भाग लेते हुए कुल 25 पदक जीतकर ओवरऑल चैंपियनशिप अपने नाम की। मध्य रेल के निशानेबाजों ने प्रतियोगिता में 12 स्वर्ण, एक रजत और 12 कांस्य पदक हासिल किए। पदक जीतने वाले खिलाड़ियों में पंकज मुखेजा, फूलचंद बांगर, सुमेध कुमार देवलालीवाला, रिया थत्ते, शहू माने, पायल, राहुल पाटिल, जितेंद्र विभूते और राधिका हवालदार शामिल हैं। मध्य रेल प्रशासन ने दोनों प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली अनुपमा रामचंद्रन, सभी पदक विजेता खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और सहयोगी कर्मचारियों को बधाई दी है। प्रशासन ने कहा कि खिलाड़ियों की ये उपलब्धियां रेलवे में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के प्रयासों को दर्शाती हैं।

हॉकी : न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत का सीरीज पर कब्जा, आखिरी मैच 2-2 से ड्रॉ

ऑकलैंड (न्यूजीलैंड)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की 'इंडिया-न्यूजीलैंड सेंचुरी ऑफ स्पोर्टिंग यूनिटी' सीरीज 1-0 से अपने नाम कर ली। दोनों टीमों के बीच रविवार को ऑकलैंड के लॉयड एल्स्मोर हॉकी स्टेडियम में खेला गया सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। भारतीय टीम ने सीरीज के पहले मुकाबले में 3-2 से जीत दर्ज की थी, जबकि बाकी दोनों मैच ड्रॉ रहे। आखिरी मुकाबले में भारत के लिए कप्तान संजय (16वें मिनट) और सेल्वम कार्थि (18वें मिनट) ने गोल किए, जबकि न्यूजीलैंड के लिए डायलन थॉमस (9वें मिनट) और बेंजी कुलहेन (55वें मिनट) ने गोल किए। तीसरे और आखिरी मुकाबले में मेजबान न्यूजीलैंड ने आक्रामक शुरुआत की। टीम को नौवें मिनट में डायलन थॉमस ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर 1-0 की बढ़त दिला दी। हालांकि, भारतीय टीम ने जल्द ही वापसी की। कप्तान संजय राणा ने 16वें मिनट में गोल दागकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इसके दो मिनट बाद ही सेल्वम कार्थि ने 18वें मिनट में फील्ड गोल करते हुए भारत को 2-1 से आगे कर दिया। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी बढ़त बरकरार रखने के लिए मजबूत खेल दिखाया। तीसरे और चौथे क्वार्टर में भारतीय टीम बढ़त बनाए हुए थी। हालांकि, मुकाबला समाप्त होने से पांच मिनट पहले यानी 55वें मिनट में बेंजी कुलहेन ने गोल करके न्यूजीलैंड को 2-2 की बराबरी पर ला दिया।

वेलिंगटन टेस्ट में भारत की पकड़ मजबूत, न्यूजीलैंड के सामने विकेट बचाने की चुनौती

वेलिंगटन,एजेंसी। वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में भारतीय टीम ने अपनी बल्लेबाजी के दम पर न्यूजीलैंड को बैकफुट पर धकेल दिया है। पहली पारी में 352 रन की विशाल बढ़त हासिल करने के बाद भारतीय टीम ने चौथे दिन का खेल खत्म होने तक मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। दूसरी पारी में न्यूजीलैंड ने दो विकेट पर 119 रन बना लिए हैं, लेकिन टीम अब भी भारत से 233 रन पीछे है। रचिन रवींद्र 27 रन और डेवोन कॉनवे 59 रन बनाकर नाबाद हैं। दोनों के बीच अब तक 59 रन की साझेदारी हो चुकी है। पांचवें दिन न्यूजीलैंड के सामने टेस्ट बचाने की चुनौती होगी, जबकि भारतीय टीम बाकी बचे आठ विकेट लेकर जीत दर्ज करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। न्यूजीलैंड को दूसरी पारी में कप्तान टॉम लाथम और हेनरी निकोल्स के रूप में दो झटके लगे हैं। लाथम को एक बार फिर पारी के पहले ओवर में ही जसप्रीत बुमराह ने पवेलियन भेजा। लाथम खाता नहीं खोल सके। वहीं, पहली पारी में नाबाद 175 रन बनाने वाले हेनरी निकोल्स 31 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा ने आउट किया।

इससे पहले भारतीय टीम ने चौथे दिन सुबह चार विकेट पर 486 रन से आगे खेलना शुरू किया। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने आक्रामक खेल जारी रखा और छक्का लगाते हुए टेस्ट करियर का नौवां शतक पूरा किया। उन्होंने अंशुल कंबोज के साथ पांचवें विकेट के लिए 68 रन और ध्रुव जुरेल के साथ छठे विकेट के लिए 75 रन की साझेदारी निभाई। इस दौरान कंबोज



38 रन बनाकर आउट हुए, जबकि पंत 153 गेंदों में 10 चौकों और छह छक्कों की मदद से 128 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

जुरेल ने भी शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने वॉशिंगटन सुंदर के साथ सातवें विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी की। सुंदर 24 रन बनाकर आउट हुए। भारतीय टीम का आठवां विकेट आकाश दीप के रूप में गिरा। वह 13 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वहीं जुरेल 79 गेंदों में सात चौके और एक छक्के की मदद से 78 रन बनाकर आउट हुए। उनके आउट होते ही भारतीय टीम ने पारी घोषित कर दी। इस तरह भारत ने अपनी पहली पारी में नौ विकेट पर 720 रन बनाए। पहली पारी में पंत के अलावा सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने भी शतक लगाया था। उन्होंने 290 गेंद में नौ चौके और दो छक्के की मदद से 136 रन बनाए थे। यशस्वी जायसवाल 85 रन और देवदत्त पडिक्कल 80 रन बनाकर आउट हुए थे। कप्तान गिल दो रन से शतक से चूक गए थे और 98 रन बनाए बनाए थे। न्यूजीलैंड की ओर से ग्लेन फिलिप्स ने तीन और रचिन रवींद्र ने दो विकेट लिए थे। मैट हेनरी, काइल जेमीसन, जैकब डफी और नाथन स्मिथ को एक-एक सफलता मिली थी। न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 368 रन बनाए थे। एक समय मेजबान टीम ने 70 के स्कोर पर पांच विकेट गवां दिए थे, जिसके बाद हेनरी निकोल्स और ग्लेन फिलिप्स ने न सिर्फ पारी को संभाला बल्कि छठे विकेट के लिए 216 रनों की साझेदारी करने के साथ स्कोर 300 रनों के पार पहुंचाने में अहम भूमिका अदा की। ग्लेन फिलिप्स जहां 118 रन बनाकर आउट हुए तो वहीं निकोल्स 175 रन बनाकर नाबाद रहे। भारतीय टीम की ओर से जसप्रीत बुमराह ने चार, आकाश दीप ने तीन विकेट, अंशुल कंबोज ने 2 विकेट और प्रसिद्ध कृष्णा ने एक विकेट लिया था।

फिट युवा, नशामुक्त युवा से ही बनेगा विकसित भारत : मांडविया

गांधीनगर। केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए युवाओं का फिट, स्वस्थ और नशामुक्त होना आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों, विशेषकर युवाओं से साइकिल चलाने को अपना जुनून बनाने और इसे दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

केंद्रीय मंत्री डॉ. मांडविया ने यह बातें रविवार को फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल के 99वें संस्करण के दौरान कहीं। उन्होंने गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी के साथ गांधीनगर में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। संविधान दिवस की थीम पर आधारित 99वां संस्करण रविवार को देशभर के 26,000 स्थानों पर आयोजित किया गया। डॉ. मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार विकसित भारत के निर्माण की दिशा में काम कर रही हैं। संडेज ऑन साइकिल के 99वें संस्करण में देशभर के 26,000 स्थानों पर लोगों की भागीदारी इस अवसर को विशेष बनाती है, खासकर तब जब हम 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि फिटनेस केवल कुछ घंटों या किसी विशेष दिन तक सीमित नहीं होनी चाहिए बल्कि इसे हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बनना चाहिए। केंद्रीय खेल मंत्री ने कहा कि साइकिल चलाना केवल एक शारीरिक गतिविधि नहीं है बल्कि यह फिटनेस को बढ़ावा देने और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता फैलाने का एक माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि युवाओं को न केवल अपने करियर के प्रति बल्कि फिटनेस और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी को लेकर भी जागरूक होना चाहिए। डॉ. मांडविया ने साइकिल चलाने को लोकप्रिय जीवनशैली विकल्प बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि साइकिल चलाने में अधिक जनभागीदारी से फिटनेस को बढ़ावा मिलेगा और एक स्वस्थ समाज का निर्माण होगा। उन्होंने कहा कि जब छोटे-छोटे व्यक्तिगत प्रयास एक साथ मिलते हैं, तो वे बड़ा बदलाव ला सकते हैं और विकसित भारत के दृष्टिकोण में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि फिट इंडिया का सरल मंत्र है कि प्रत्येक नागरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बने। जब हमारे नागरिक फिट होंगे, तो हमारा समाज स्वस्थ होगा और एक समृद्ध राष्ट्र के निर्माण के लिए स्वस्थ समाज आवश्यक है। आइए हम सभी मिलकर फिटनेस को प्राथमिकता दें और विकसित भारत की यात्रा में योगदान करें।

विल जैक्स ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बाकी बचे टी-20 मैचों से बाहर



मेलबर्न,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के दौरान हाथ में चोट लगने के कारण इंग्लैंड के ऑलराउंडर विल जैक्स बाकी वाइट-बॉल सीरीज से बाहर हो गए हैं। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने इसकी पुष्टि की है। हालांकि, उनकी जगह किस खिलाड़ी को टीम में शामिल किया जाएगा, इस बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है।

इंग्लैंड क्रिकेट ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर बताया कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शनिवार रात खेले गए टी-20 मैच में हाथ में चोट लगने के कारण विल जैक्स ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंग्लैंड पुरुष टीम के बाकी 'व्हाइट बॉल' दौरे से बाहर हो गए हैं। टीम में जैक्स की जगह किसे शामिल किया जाएगा, इस बारे में जानकारी जल्द ही दी जाएगी। इसी के साथ बोर्ड ने विल जैक्स के जल्दी स्वस्थ होने की कामना की। मेलबर्न में 21 नवंबर को खेले गए पांच मैचों की टी-20 सीरीज के पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को तीन विकेट से हराया था। इसी मैच में वह ऑस्ट्रेलिया की पारी के दौरान 19वां ओवर करने आए थे। ओवर की चौथी गेंद पर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बेन ड्वारशुइस के तेज शॉट को कैच करने की कोशिश के दौरान गेंद उनके हाथ की उंगलियों में लगी और उनके हाथ से खून निकलने लगा, जिसके बाद उन्हें मैदान छोड़कर बाहर जाना पड़ा था। वह अपना पूरा ओवर भी नहीं फेंक पाए थे। हेनरी क्रोकोम्बे ने उनकी जगह ओवर की बची दो गेंद डालीं थी। उन्होंने इन गेंदों पर सिर्फ एक रन दिया। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया को अंतिम ओवर में जीत के लिए 11 रन चाहिए थे और जैक एडवर्ड्स ने टीम को जीत दिला दी। सीरीज का दूसरा मुकाबला मंगलवार को क्वींसलैंड में खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड में शतक बनाना मेरा लक्ष्य था: ऋषभ पंत

वेलिंगटन,एजेंसी। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कहा कि न्यूजीलैंड में शतक बनाना उनका लक्ष्य था। चुनौतीपूर्ण पिच पर लंबे समय तक क्रीज पर टिककर टीम के लिए योगदान देना उनकी प्राथमिकता थी। पंत ने कहा कि उन्हें मैदान पर रहना बेहद पसंद है और वह बल्लेबाजी के साथ-साथ फील्डिंग और विकेटकीपिंग का भी पूरा आनंद लेते हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन में खेले जा रहे पहले टेस्ट की पहली पारी में ऋषभ पंत ने शानदार शतक जड़ा। उन्होंने अपने चिरपरिचित आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 153 गेंदों में 10 चौकों और छह छक्कों की मदद से 128 रन की पारी खेली। उनकी इस पारी ने भारतीय टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। रविवार को चौथे दिन का खेल समाप्त होने के बाद पंत ने अपनी बल्लेबाजी, शतक पूरा करने की रणनीति और मैदान पर खेल का आनंद लेने को लेकर खुलकर बात की। पंत ने कहा कि मुझे लगता है कि यह वास्तव में बेहतरीन पारी थी। न्यूजीलैंड में शतक बनाना मेरी प्राथमिकता थी। ऐसी पिच पर, जहां रन बनाने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है और बाकी बल्लेबाज भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हों, वहां मेरी कोशिश ज्यादा से ज्यादा समय तक क्रीज पर टिकने और टीम के लिए अपना योगदान देने की थी। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी की रणनीति के बारे में पंत ने कहा कि वह मैदान पर बहुत ज्यादा योजनाएं बनाकर नहीं उतरते। उन्होंने कहा कि सच कहूं तो मैं इस बारे में बहुत ज्यादा नहीं सोचता। ज्यादातर समय गेंदबाज की सोच को समझने की कोशिश करता हूं लेकिन चीजों को काफी सरल रखता हूं। जब



भी गेंद मेरे सामने आती है, मैं उसे हिट करने की कोशिश करता हूं। अगर गेंद मेरे पसंदीदा क्षेत्र में होती है तो मैं उस पर शॉट खेलने से नहीं हिचकिचाता। शतक पूरा करने के लिए छक्का लगाने की योजना के सवाल पर पंत ने बताया कि आमतौर पर वह छक्के के साथ शतक पूरा करना पसंद करते हैं लेकिन इस बार उन्होंने धैर्य से काम लिया। उन्होंने कहा कि जब भी मैं शतक के करीब होता हूं तो मेरी कोशिश छक्के के साथ उसे पूरा करने की रहती है। हालांकि, ऐसा करने के प्रयास में कई बार शतक पूरा करने से चूक भी गया हूं इसलिए इस बार मैंने धैर्य रखा और सही मौके का इंतजार किया। जब मिड-ऑफ का फील्डर ऊपर आ गया तो मुझे लगा कि शॉट खेलने का यह सही मौका है। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में पूर्व दिग्गज ब्रेंडन मैकुलम को पीछे छोड़ने पर पंत ने कहा कि बचपन में उनके मन में ज्यादा छक्के लगाने जैसे लक्ष्य जरूर होते थे लेकिन अब उनका ध्यान लगातार अच्छा प्रदर्शन करने पर है। उन्होंने कहा, 'बचपन में मेरे मन में ऐसे छोटे-छोटे लक्ष्य होते थे, जैसे ज्यादा से ज्यादा छक्के लगाना। लेकिन अब अपने करियर के इस पड़ाव पर मैं इन चीजों के बारे में नहीं सोचता। मैं सिर्फ लगातार अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं और जहां भी खेलूं, अपनी छाप छोड़ना चाहता हूं।'

पंत ने आगे कहा कि उन्हें मैदान पर रहना बेहद पसंद है। जब भी मैं मैदान पर उतरता हूं, चाहे बल्लेबाजी कर रहा हूं या फील्डिंग, मेरी कोशिश हर पल का आनंद लेने की होती है। सच कहूं तो मैदान पर होना ही मुझे खुशी देता है। मैं वहां बिताए हर दिन का आनंद लेता हूं। मैच की बात करें तो वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में भारतीय टीम ने अपनी बल्लेबाजी के दम पर न्यूजीलैंड को बैकफुट पर धकेल दिया है। पहली पारी में 352 रन की विशाल बढ़त हासिल करने के बाद भारतीय टीम ने चौथे दिन का खेल खत्म होने तक मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। दूसरी पारी में न्यूजीलैंड ने दो विकेट पर 119 रन बना लिए हैं लेकिन टीम अब भी भारत से 233 रन पीछे है। रचिन रवींद्र 27 रन और डेवोन कॉनवे 59 रन बनाकर नाबाद हैं। दोनों के बीच अब तक 59 रन की साझेदारी हो चुकी है। पांचवें दिन न्यूजीलैंड के सामने टेस्ट बचाने की चुनौती होगी, जबकि भारतीय टीम बाकी बचे आठ विकेट लेकर जीत दर्ज करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी।

दीपिका की हैट्रिक से भारत की बड़ी जीत, थाईलैंड को 7-0 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंची टीम

भोपाल,एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम ने मध्य प्रदेश महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी भोपाल 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए थाईलैंड को 7-0 से हरा दिया। नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर में रविवार को खेले गए मुकाबले में दीपिका ने हैट्रिक लगाई, जबकि नवनीत कौर ने दो गोल किए। मुमताज खान और सुनेलिता टोप्पो ने भी एक-एक गोल का योगदान दिया। इस जीत के साथ भारत ने लगातार तीसरी जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली।

भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। चौथे मिनट में मिले पेनल्टी स्ट्रोक पर नवनीत कौर ने गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद दीपिका ने 10वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर बढ़त दोगुनी कर दी। अगले ही मिनट उन्होंने एक और पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागकर भारत को 3-0 से आगे कर दिया। दूसरे क्वार्टर में थाईलैंड ने रक्षात्मक खेल के जरिए भारतीय हमलों को रोकने की कोशिश की। हालांकि, 28वें मिनट में रुतुजा दादासो पिसल और नवनीत कौर के बेहतरीन तालमेल से बने मूव पर मुमताज खान ने गोल कर दिया। मध्यांतर तक भारत ने 4-0 की मजबूत बढ़त बना ली थी। तीसरे क्वार्टर में भी भारतीय खिलाड़ियों ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और लगातार आक्रमण किए।



32वें मिनट में सुनेलिता टोप्पो ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत की बढ़त 5-0 कर दी। थाईलैंड की टीम कुछ हमले करने में सफल रही, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने उन्हें गोल करने का मौका नहीं दिया।

अंतिम क्वार्टर में दीपिका ने 56वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर अपना तीसरा गोल कर हैट्रिक पूरी की। इसी मिनट नवनीत कौर ने पेनल्टी स्ट्रोक पर अपना दूसरा गोल दागते हुए भारत को 7-0 की निर्णायक बढ़त दिला दी। तीन मैचों में तीन जीत के साथ भारत के नौ अंक हो गए हैं। बेहतर गोल अंतर (+11) के आधार पर भारतीय टीम अंकतालिका में जापान से आगे है। जापान के भी नौ अंक हैं, लेकिन उसका गोल अंतर +6 है। दोनों टीमें सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं, जबकि राउंड रॉबिन चरण के दो मुकाबले अभी बाकी हैं।

जमशेद आलम का टी-20 में पदार्पण रहा यादगार, लगातार चार गेंदों पर झटके चार विकेट

एजेंसी

इंदौर। रेलवे के 23 वर्षीय तेज गेंदबाज जमशेद आलम का टी-20 पदार्पण शानदार रहा। उन्होंने रविवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी-2026 में सौराष्ट्र के खिलाफ खेलते हुए लगातार चार गेंदों पर चार विकेट लेकर इतिहास रच दिया। वह टी-20 क्रिकेट में लगातार चार गेंदों पर चार विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज बन गए।

क्रिकइंफो के अनुसार रेलवे ने रविवार को इंदौर के डेली कॉलेज ग्राउंड में खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 182 रन बनाए थे। इसके जवाब में सौराष्ट्र 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 153 रन ही बना सकी और 29 रन से मुकाबला हार गई। सौराष्ट्र की पारी के दौरान चौथे ओवर में गेंदबाजी करने आए आलम ने अपनी पहली ही गेंद से कहर बरपाना शुरू कर दिया था। उन्होंने अपने पहले ओवर में हार्विक देसाई, प्रेरक मांकड़, रुचित अहीर और सम्मर गज्जर को लगातार चार गेंदों पर आउट कर पवेलियन भेज दिया। जमशेद आलम ने ओवर की तीसरी गेंद पर हार्विक को कैच आउट कराया। इसके बाद अगली गेंद पर मांकड़ को बोल्ड कर दिया। पांचवीं गेंद पर अहीर कैच थमा बैठे, जबकि आखिरी गेंद पर समर गज्जर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। इसके बाद अपने अगले ओवर में सिद्धार्थ राणा को आउट कर आलम ने अपना पांच विकेट का पंजा पूरा किया। आलम ने महज नौ गेंदों के भीतर पांच विकेट हासिल कर अपनी गेंदबाजी से सभी को प्रभावित किया। पुरुष टी20 क्रिकेट में उनसे कम गेंदों में केवल दो बार पांच विकेट लेने का कारनामा हुआ है। वहीं लगातार चार गेंदों पर चार विकेट लेने वाले वह तीसरे भारतीय तेज गेंदबाज हैं।

जमशेद आलम से पहले दो भारतीय गेंदबाज टी-20 क्रिकेट में लगातार चार गेंदों पर चार विकेट लेने का कारनामा कर चुके हैं। कर्नाटक के अभिमन्यु मिथुन ने नवंबर, 2019 में हरियाणा के खिलाफ पारी के 20वें ओवर में लगातार चार विकेट लिए थे। इसके बाद नवंबर 2021 में विदर्भ के दर्शन नालकंडे ने कर्नाटक के खिलाफ इसी उपलब्धि को दोहराया था। दोनों गेंदबाजों ने यह कारनामा पारी के अंतिम ओवर में किया था, जबकि आलम ने पारी के शुरुआती ओवरों में ही यह उपलब्धि हासिल की।

वहीं विश्व क्रिकेट में आलम से कम गेंदों में पांच विकेट लेने के सिर्फ दो उदाहरण हैं। इंडोनेशिया के गेडे प्रियंदाना ने 2025 में कंबोडिया के खिलाफ महज छह गेंदों में पांच विकेट हासिल किए थे। फिनलैंड के महेश तांबे ने एस्टोनिया के खिलाफ आठ गेंदों में पांच विकेट लेने का कारनामा किया था। जमशेद आलम मेरठ मेवरिक्स की ओर से उत्तर प्रदेश टी-20 लीग में खेल चुके हैं। इसके अलावा वह रेलवे की तरफ से घरेलू अंडर-23 प्रतियोगिता सीके नायडू ट्रॉफी का भी हिस्सा रहे हैं। इस साल उन्होंने टी-20 मुंबई लीग में आकाश टाइगर्स एमडब्ल्यूएस का प्रतिनिधित्व किया था।

बांग्लादेश में शेख हसीना की पार्टी के नेताओं पर हमले जारी, गोपालगंज को बना दिया छावनी

ढाका (बांग्लादेश)। देश में इस समय राजनीतिक अस्थिरता, हिंसक प्रदर्शन और कानून-व्यवस्था की गंभीर स्थिति बनी हुई है। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की दिसंबर में वापसी की घोषणा, सरकार के नकारात्मक रुख पर उनकी पार्टी अवामी लीग के विरोध प्रदर्शन के बाद कई जिलों में तनाव है। अवामी लीग पर सरकार ने प्रतिबंध लगा रखा है। शनिवार को खुलना में अवामी लीग के दो नेताओं पर हमले के बाद क्षेत्र में तनाव व्याप्त है। इस बीच सरकार ने हसीना के गृह जनपद गोपालगंज को छावनी में बदल दिया है। वहां बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) की 26 और प्लाटून तैनात की गई हैं। इसके साथ ही जिले में तैनात कुल प्लाटूनों की संख्या बढ़कर 55 हो गई है।

प्रोथोम अलो, ढाका ट्रिब्यून और द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को दोपहर रूपशा उपजिला के सेनेर बाजार में और शाम को खान जहान अली था अंतर्गत फुलबारी गेट के पास अवामी लीग के नेताओं पर हमला किया गया। हमले में मो. मुनिरुज्जमान और मुक्तिजोद्धा प्रोजोनमो लीग के सदस्य 50 वर्षीय लैसुज्जमान घायल हो गए। बताया गया है कि लैसुज्जमान की हालत गंभीर है। मुनिरुज्जमान आइचगाटी यूनियन के अंतर्गत देओरा में अवामी लीग की वार्ड नंबर 5 इकाई के महासचिव हैं। वह खुलना जिला कृषक लीग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर अशरफुज्जमान बाबुल के छोटे भाई हैं।



पुलिस का कहना है कि लैसुज्जमान की पिटाई के आरोप में मिराज नाम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश मुख्यालय शनिवार दोपहर जारी विज्ञप्ति के अनुसार गोपालगंज जिले में बीजीबी की 26 और प्लाटून तैनात की गई हैं। इसके साथ ही, जिले में तैनात कुल प्लाटूनों की संख्या बढ़कर 55 हो गई है। विज्ञप्ति के अनुसार, कानून-व्यवस्था बनाए रखने, जन सुरक्षा सुनिश्चित करने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए, जिले में पहले से तैनात 29 प्लाटूनों के साथ-साथ अतिरिक्त बटालियन की तैनाती शुरू कर दी गई है। तैनात किए गए जवान स्थानीय प्रशासन और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर काम करेंगे ताकि सामान्य स्थिति बनी रहे। इस बीच राजधानी ढाका के केरानीगंज इलाके के तेघोरिया में शनिवार तड़के व्यवसायी और अवामी लीग के पूर्व नेता नूर आलम के घर पर हमला किया। हमलावरों ने कीमती सामान लूटा, एक गाड़ी में आग लगा दी और परिवार के दो सदस्यों को गोली मार दी। गोली लगने से नूर के पुत्र 17 वर्षीय रिपाई महमूद लियोन और उनके ससुर 70 वर्षीय हाजी आलम घायल हो गए। पुलिस ने पुष्टि की है कि हाजी आलम का इलाज फिलहाल सर सलीमुल्लाह मेडिकल कॉलेज और मिटफोर्ड अस्पताल में चल रहा है।

इससे पहले पटुआखाली में अवामी लीग के तीन पूर्व सांसदों और एक पूर्व मेयर के घरों पर हमला किया गया और उनमें तोड़फोड़ की गई। हमलावरों ने कलापारा नगर के कमारपट्टी इलाके में अवामी लीग के दिवंगत पूर्व सांसद अनवर-उल इस्लाम के घर पर हमला किया। अनाथालय (ऑर्फनेज) इलाके में कलापारा नगर पालिका के पूर्व मेयर अवामी लीग की उपजिला समिति के उपाध्यक्ष एसएम रकीबुल अहसान के घर पर ईंट के टुकड़े और पत्थर फेंके। कलापारा में पूर्व राज्यमंत्री मोहिब्बुर रहमान के आवास पर तोड़फोड़ की गई। वे अवामी लीग की जिला समिति के पूर्व उपाध्यक्ष हैं। कलापारा थाना प्रभारी मो. नजरुल इस्लाम ने बताया कि उन्हें ऐसी घटनाओं की कोई शिकायत नहीं मिली है। इससे पहले, 19 नवंबर की रात करीब 10 बजे पटुआखाली शहर के पुरान बाजार इलाके में पूर्व सांसद लुत्फुन नेसा के घर के मुख्य गेट पर हमला किया गया और तोड़फोड़ की गई। लुत्फुन नेसा 2014 से 2018 तक 10वीं संसद में महिलाओं के लिए आरक्षित सीट से सांसद थीं। वह अवामी लीग की पटुआखाली जिला समिति के उपाध्यक्ष सुल्तान अहमद की पत्नी हैं। पटुआखाली सदर थाना प्रभारी मो. मुनिरुज्जमान ने बताया कि हमले की सूचना मिलने के बाद पुलिस को पूर्व सांसद के आवास पर भेजा गया। उस समय किसी ने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई। इसके बाद पुलिस लौट आई। शुक्रवार रात ब्राह्मणबरिया नगरपालिका क्षेत्र के बागानबारी इलाके में प्रतिबंधित छात्र लीग की जिला इकाई के संयुक्त सचिव मिकाइल हुसैन और नगरपालिका इकाई के अध्यक्ष सामी अहमद के घरों पर हमला किया गया।

एक नजर

लीबिया के बंदरगाह पर रूसी जहाज में विस्फोट, ड्रोन हमले की आशंका



बेनगाजी,एजेंसी। लीबिया के पूर्वी हिस्से में स्थित बेनगाजी बंदरगाह पर खड़े एक रूसी जहाज में विस्फोट के बाद आग लग गई। लीबिया की पूर्वी सरकार ने रविवार को बताया कि प्रारंभिक जांच में जहाज पर ड्रोन हमले की आशंका जताई गई है। हालांकि, घटना की जिम्मेदारी अभी किसी पक्ष ने नहीं ली है। पूर्वी लीबिया की सरकार के अनुसार, विस्फोट बेनगाजी नौसैनिक अड्डे पर खड़े रूसी जहाज में हुआ। यह जहाज दोनों देशों के बीच समुद्री सहयोग समझौतों के तहत रूस लौटते समय ईंधन और अन्य जरूरी सामान लेने के लिए बंदरगाह पर रुका था। सरकार ने कहा कि बंदरगाह और नौसैनिक अड्डे की अन्य सुविधाएं, जिनमें गोदाम भी शामिल हैं, सुरक्षित हैं। आग पर काबू पाने और घटनास्थल को सुरक्षित घोषित किए जाने के बाद सामान्य गतिविधियां फिर से शुरू कर दी जाएंगी। सरकार ने संदिग्ध हमले की निंदा करते हुए इसे लीबिया की संप्रभुता का उल्लंघन और समुद्री सुरक्षा के लिए खतरा बताया। उसने कहा कि घटना के लिए जिम्मेदार पाए जाने वाले लोगों या पक्षों के खिलाफ कानूनी और कूटनीतिक कदम उठाए जाएंगे। सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया कि लीबिया अपने बंदरगाहों, क्षेत्र और समुद्री सीमा को अंतरराष्ट्रीय संघर्षों या आपसी विवादों के निपटारे का केंद्र नहीं बनने देगा।

बहरीन में औद्योगिक ठिकाने पर हमले की सऊदी अरब और कतर ने की निंदा



रियाद/दोहा,एजेंसी। बहरीन में एक औद्योगिक प्रतिष्ठान पर हुए हमले को लेकर खाड़ी क्षेत्र में कूटनीतिक प्रतिक्रिया सामने आई है। सऊदी अरब और कतर ने इस घटना की निंदा करते हुए बहरीन के प्रति समर्थन जताया है। इस हमले में दो लोग घायल हुए हैं। इनमें एक दिव्यांग बहरीनी नागरिक की हालत स्थिर है, जबकि पाकिस्तानी मूल के एक निवासी की स्थिति गंभीर बताई गई है। सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में हमले के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया है। रियाद ने आरोप लगाया कि इस तरह की कार्रवाई क्षेत्रीय स्थिरता को प्रभावित करती है, नागरिक ठिकानों को निशाना बनाती है और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। सऊदी अरब ने यह भी कहा कि वह अपनी सुरक्षा के लिए बहरीन की ओर से उठाए जाने वाले किसी भी कदम का समर्थन करेगा। कतर ने भी हमले की निंदा करते हुए इसे बहरीन की संप्रभुता का उल्लंघन और अंतरराष्ट्रीय कानून तथा संयुक्त राष्ट्र चार्टर के प्रावधानों के विपरीत बताया। कतर के विदेश मंत्रालय के अनुसार इस घटना से क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता को खतरा पैदा हो सकता है। इससे कूटनीतिक प्रयासों के साथ क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति स्थापित करने की कोशिशें भी प्रभावित हो सकती हैं। कतर इस समय ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। ऐसे में दोहा की प्रतिक्रिया को क्षेत्रीय कूटनीतिक परिस्थितियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मोदी और मुर्मु को बालेन्द्र शाह देंगे नेपाल की दो ऐतिहासिक धरोहरों की प्रतिमाएं



काठमांडू,एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह भारत की राजकीय यात्रा के दौरान अपने समकक्ष नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को नेपाल की दो महत्वपूर्ण धार्मिक एवं ऐतिहासिक धरोहर से जुड़ी प्रतिमाएं उपहार में देंगे। इससे पहले नेपाल के प्रधानमंत्री भारत यात्रा के दौरान भगवान पशुपतिनाथ मंदिर की प्रतिकृति भेंट करते रहे हैं। प्रधानमंत्री शाह आज दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंच रहे हैं। सोमवार को उनकी भारतीय प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति के साथ अलग-अलग मुलाकात का कार्यक्रम है। शाह भारतीय प्रधानमंत्री मोदी को रातो मच्छिंद्रनाथ की प्रतिमा भेंट करेंगे। रातो मच्छिंद्रनाथ नेपाल की धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान से जुड़े प्रमुख देवता हैं। नेपाल की पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार, लिच्छवि राजा नरेंद्रदेव रातो मच्छिंद्रनाथ को भारत के तत्कालीन कामरूप (वर्तमान असम) स्थित कामाख्या क्षेत्र से काठमांडू घाटी लेकर आए थे। धार्मिक मान्यता है कि उस समय घाटी में लंबे समय तक बारिश नहीं होने के कारण अकाल की स्थिति पैदा हो गई थी। मच्छिंद्रनाथ को नेपाल लाने के बाद बारिश शुरू हुई थी। भारतीय राष्ट्रपति को प्रधानमंत्री शाह काठमांडू के चाबहिल स्थित चारुमती विहार से जुड़ी एक प्रतिमा उपहार में देंगे। चारुमती विहार का इतिहास भारत के मौर्य सम्राट अशोक और उनकी बेटी चारुमती से जुड़ा हुआ है। पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार, सम्राट अशोक अपनी बेटी चारुमती के साथ काठमांडू घाटी आए थे। चारुमती ने स्थानीय क्षेत्रीय राजकुमार देवपाल से विवाह किया और देवपाटन क्षेत्र में रहने लगीं। माना जाता है कि उन्होंने इसी क्षेत्र में विहार का निर्माण कराया था। यह भी कहा जाता है कि उनकी मृत्यु इसी क्षेत्र में हुई। नेपाल की इन दोनों ऐतिहासिक धरोहरों से जुड़ी प्रतिमाओं के उपहार के जरिए प्रधानमंत्री शाह भारत और नेपाल के बीच सदियों पुराने धार्मिक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों को दर्शाने का प्रयास करेंगे।

प्रधानमंत्री तारिक ने बांग्लादेश में 'अवामी लीग' की हिंसा के लिए भारत को जिम्मेदार नहीं ठहराया



ढाका (बांग्लादेश)। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री तारिक रहमान के 19 नवंबर को लालमोनिरहाट में दिए गए भाषण पर हुए विवाद पर आज सफाई दी है। मंत्रालय ने भारतीय मीडिया के कुछ संस्थानों की रिपोर्टों का खंडन किया है। मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने प्रतिबंधित 'अवामी लीग' की हिंसा के लिए भारत को जिम्मेदार नहीं ठहराया है। उन्होंने लालमोनिरहाट में दिए गए भाषण में किसी भी देश का नाम नहीं लिया।

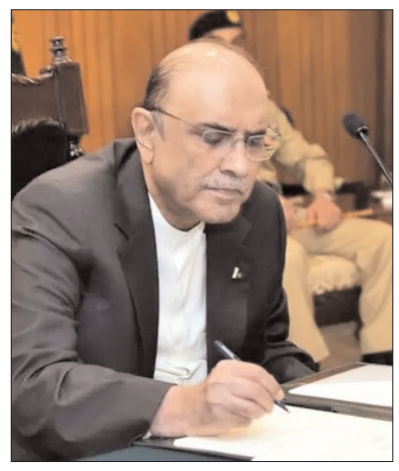
ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि भारतीय मीडिया संस्थानों ने प्रधानमंत्री के बयानों को गलत तरीके से पेश किया। प्रवक्ता ने कहा, 'भारतीय मीडिया संस्थानों ने भाषण को गलत तरीके से रिपोर्ट किया, क्योंकि प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने किसी भी देश का नाम नहीं लिया। उन्होंने कहा, 'अवामी फासीवादी आतंकवादी अलग-अलग महाद्वीपों में कोहराम मचा रहे हैं।

पूरी दुनिया ने देखा है कि उन्होंने किस तरह बेगुनाह लोगों पर भयानक हिंसा की है।' प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि इस हिंसा की वजह से कई देशों में सुरक्षा संबंधी समस्याएं पैदा हो रही हैं। दूसरे देशों में बांग्लादेश की छवि खराब हो रही है और वहां रहने वाले बांग्लादेशी समुदायों की प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंच रहा है। प्रवक्ता ने अन्य देशों से अपील की कि वे इस हिंसा को फैलने से रोकने के लिए कदम उठाएं।

पाकिस्तानः खैबर पख्तूनख्वा के विधायकों के विशेष अधिकार खत्म, राष्ट्रपति ने जारी किए पांच अध्यादेश

इस्लामाबाद,एजेंसी। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत से जुड़े पांच अध्यादेश जारी किए हैं। इनके जरिए प्रांतीय विधानसभा के सदस्यों (विधायकों) को मिलने वाले कई विशेष अधिकार खत्म कर दिए गए हैं। इनमें गिरफ्तारी और निवारक हिरासत से मिलने वाली कानूनी सुरक्षा भी शामिल है। इन अध्यादेशों के जरिए प्रांत के 12 संवेदनशील जिलों और अन्य क्षेत्रों में विशेष विकास योजनाएं चलाने के लिए भी नया कानूनी ढांचा तैयार किया गया है। इन योजनाओं की निगरानी और मंजूरी के लिए एक शक्तिशाली कार्यकारी समिति बनाई जाएगी। डान की रिपोर्ट के अनुसार, विधायकों के अधिकारों में बदलाव के लिए जारी अध्यादेश के तहत खैबर पख्तूनख्वा विधानसभा के सदस्यों को मिलने वाले कई विशेष अधिकार समाप्त कर दिए गए हैं। इसके लिए 2026 में बने विधानसभा के विशेषाधिकार कानून की 40 में से 21 धाराएं हटा दी गई हैं। हटाए गए प्रावधानों में गिरफ्तारी या हिरासत से पहले विधानसभा अध्यक्ष की अनुमति लेने, निवारक हिरासत से सुरक्षा देने और विधायकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई पर कुछ रोक लगाने जैसे नियम शामिल थे। विधानसभा, उसके सदस्यों और समितियों के विशेषाधिकारों के उल्लंघन से जुड़े अपराधों की सूची भी हटा दी गई है। इससे विधायकों को पहले मिलने वाली विशेष कानूनी सुरक्षा काफी कम हो गई है।

11 अक्टूबर को खैबर पख्तूनख्वा में आपातकाल लागू किए जाने के बाद 12 संवेदनशील जिलों की निगरानी के लिए क्षेत्रीय प्रतिनिधि एवं विकास परिषद बनाई गई थी। इन



जिलों को गंभीर सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इनमें विलय किए गए जिले भी शामिल हैं। अब इन क्षेत्रों में विकास कार्यों और दूसरी विशेष योजनाओं के संचालन के लिए एक कार्यकारी समिति बनाई जाएगी। प्रांत के बाकी जिलों में भी इसी तरह की समिति काम करेगी। नए अध्यादेशों के तहत कार्यकारी समिति को व्यापक अधिकार दिए गए हैं। वह तय कर सकेगी कि किसी विशेष योजना को कौन-सी एजेंसी लागू करेगी। इस काम के लिए सैन्य संगठनों और सैन्य इकाइयों को भी जिम्मेदारी दी जा सकती है।

समिति के पास अधिकार

-किसी योजना को तत्काल या आपातकालीन जरूरत की योजना घोषित करना।

-विकास योजनाओं के प्रस्तावों और बजट को जांचकर मंजूरी देना।

-योजनाओं को लागू करने वाली सरकारी या अन्य एजेंसी की सिफारिश करना।

-सैन्य संगठनों को भी योजना लागू करने की जिम्मेदारी देने का प्रस्ताव करना।

-योजनाओं की निगरानी और उनके कामकाज का मूल्यांकन करना।

-जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञों और अन्य लोगों की मदद लेना तथा अलग-अलग समितियां बनाना।

समिति की बैठक महीने में कम से कम एक बार होगी। जरूरत पड़ने पर इससे पहले भी बैठक बुलाई जा सकेगी। फैसले बहुमत से होंगे। मत बराबर होने पर अध्यक्ष का मत अंतिम माना जाएगा।

दूसरे कानूनों से भी ऊपर होंगे ये अध्यादेश

इन अध्यादेशों की एक महत्वपूर्ण बात यह है कि विशेष योजनाओं से जुड़े मामलों में इनका प्रभाव दूसरे कुछ कानूनों से भी ऊपर होगा। इनमें सरकारी खरीद और निजी-सार्वजनिक भागीदारी से जुड़े प्रांतीय कानून भी शामिल हैं। इसके अलावा, इन अध्यादेशों के तहत लिए गए फैसलों और की गई कार्रवाई को किसी दीवानी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकेगी।

मदरसों के पंजीकरण में भी बदलाव

पांच अध्यादेशों में से एक मदरसों के पंजीकरण से संबंधित है। इसके तहत जिन धार्मिक मदरसों का पंजीकरण केंद्र सरकार के शिक्षा एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण मंत्रालय के धार्मिक शिक्षा महानिदेशालय में हो चुका है या वहां पंजीकरण कराया जा सकता है, उन्हें खैबर पख्तूनख्वा के सोसाइटी पंजीकरण कानून के तहत अलग से पंजीकरण कराने की जरूरत नहीं होगी।

लंदन में अवामी लीग और एनसीपी समर्थकों में झड़प से तनाव

लंदन,एजेंसी। पूर्वी लंदन की एक सड़क बांग्लादेश के राजनीतिक मतभेदों के कारण 19 नवंबर (सोमवार रात) से तनाव का केंद्र बन गई। यहां बांग्लादेश की नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) संयोजक और जातीय संसद में विपक्ष के मुख्य सचेतक नाहिद इस्लाम के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम के बाद अवामी लीग के नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने एनसीपी के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर हमला कर दिया। इस घटना के चलते दोनों गुटों के बीच झड़प हो गई। प्रोथोम अलो की 22 नवंबर की रिपोर्ट के अनुसार, एनसीपी ने बताया कि उनके 16 सदस्य घायल हुए हैं, जबकि अवामी लीग ने अपने कम से कम तीन सदस्यों के घायल होने की बात कही। नाहिद इस्लाम के ब्रिटेन दौरे की खबर आते ही लंदन में मौजूद अवामी लीग के कुछ नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने यह घोषणा की थी कि वे नाहिद इस्लाम के कार्यक्रम को पूरा नहीं होने देंगे।

अवामी लीग के कई कार्यकर्ताओं ने फेसबुक के जरिए नाहिद इस्लाम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने का आह्वान किया। कई लोगों को व्हाट्सएप पर ऐसे संदेश भी मिले। इससे पहले अवामी लीग नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कैम्ब्रिज में भी नाहिद के एक कार्यक्रम के दौरान भी विरोध प्रदर्शन किया था। पूर्वी लंदन में नाहिद इस्लाम के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम के बाहर अवामी लीग के नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने इस प्रदर्शन को अपने लोकतांत्रिक अधिकार के तहत विरोध करने का तरीका बताया। कार्यक्रम शुरू होने से पहले, मेहमान मेफेयर स्थित आयोजन स्थल पर पहुंच रहे थे। एक वीडियो में दिख रहा है कि प्रदर्शनकारियों के बीच से एक व्यक्ति ने टॉवर हैमलेट्स काउंसिल के पार्षद और काउंसिल के पूर्व स्पीकर, बैरिस्टर सैफुद्दीन खालिद की ओर पानी की बोतल फेंकी। हालांकि अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं के संभावित विरोध और बाधा डालने की



आशंका को देखते हुए आयोजकों ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। पुलिस के अलावा एनसीपी ने 30 से अधिक निजी सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया था। नाहिद इस्लाम कार्यक्रम शुरू होने से कम से कम तीन घंटे पहले ही 'मेफेयर' पहुंच गए थे। तनाव बढ़ने पर रात 9:55 बजे सुरक्षा कर्मियों की मदद से नाहिद इस्लाम को पिछले रास्ते से बाहर निकला गया। उनकी कार 'सीडर पार्क गार्डन्स' से जुड़ी कार पार्किंग के रास्ते से बाहर चली गई।

इस दौरान केंद्रीय नेता बैरिस्टर नूरुल हुदा जुनैद के नेतृत्व में एनसीपी के नेता और कार्यकर्ता मुख्य प्रवेश द्वार से बाहर आए और नारे लगाने लगे। हमले में कांच की बोतलें फेंकी गईं और पेड़ों की टहनियों का इस्तेमाल किया गया। घटना के समय अवामी लीग के कई नेता और कार्यकर्ता 'सीडर पार्क गार्डन्स' में खड़ी कारों के अंदर मौजूद थे। हॉल के सामने नारे लगने पर वे अपनी गाड़ियों से बाहर निकल आए। इसके बाद दोनों पक्षों में झड़प हुई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कांच की एक बोतल एक एनसीपी कार्यकर्ता के सिर पर लगी। स्थानीय निवासी करीन और एक अन्य निवासी ने बताया कि कैसे लोगों ने बोतलें फेंकीं, पेड़ों की टहनियां तोड़ीं और घरों के बाहर पड़ी चीजों का इस्तेमाल विरोधी गुट पर हमला करने के लिए किया। हालांकि, यह पता नहीं चल सका है कि सबसे पहले हिंसा किसने शुरू की। बांग्लादेश प्रेस क्लब यूके के अध्यक्ष शाकिर हुसैन ने बताया, 'सीडर पार्क गार्डन्स से एनसीपी नेताओं और कार्यकर्ताओं को खदेड़ने के बाद अवामी लीग के सदस्यों ने उन्हें लाठियों और पेड़ों की टहनियों से पीटा। एनसीपी के केंद्रीय नेता बैरिस्टर नूरुल हुदा जुनैद ने बताया कि उनकी गाड़ियां हॉल के पीछे वाली सड़क और कार पार्क में खड़ी थीं। कार्यक्रम के बाद जब वे अपनी गाड़ियों की ओर जा रहे थे तो वहां पहले से मौजूद अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन पर अचानक हमला कर दिया। दूसरी ओर, अवामी लीग से जुड़े ऑनलाइन कार्यकर्ता सुशांत दास गुप्ता ने बताया कि वे हॉल के पीछे सड़क पर खड़े थे, तभी उनकी एक सुरक्षा गार्ड के साथ बहस हो गई। उन्होंने दावा किया कि यह घटना तब शुरू हुई जब बहस के दौरान सुरक्षा गार्ड ने अवामी लीग के एक कार्यकर्ता को धक्का दे दिया। सुशांत दास गुप्ता ने यह भी दावा किया कि 5 अगस्त के बाद से बांग्लादेश के हबीगंज में उनके घर में दो बार आग लगाई जा चुकी है। उन्होंने कहा कि इसी वजह से वे नाहिद के कार्यक्रम में विरोध प्रदर्शन करने आए थे। लंदन पुलिस के एक बयान का हवाला देते हुए ब्रिटिश मीडिया ने बताया कि सोमवार रात 9:59 बजे पुलिस को रोमफोर्ड के हाई रोड पर हंगामे की सूचना मिली। पुलिस के अनुसार, हिंसा शुरू होने से पहले लगभग 50 लोग एक विरोध प्रदर्शन में शामिल थे। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद वे तीन लोगों को अस्पताल ले गए। किसी को भी ऐसी चोट नहीं आई जो जानलेवा हो या जिससे उनके जीवन पर कोई गहरा असर पड़े। लंदन एम्बुलेंस सर्विस ने बताया कि उन्हें रात 10:12 बजे एक इमरजेंसी कॉल मिली, जिसके बाद उन्होंने दो एम्बुलेंस टीमें मौके पर भेजीं। पैरामेडिक्स ने घटनास्थल पर ही छह लोगों का इलाज किया, जिनमें से एक को वे स्थानीय अस्पताल ले गए। 'अल हुदा वेलफेयर फाउंडेशन यूके' मेफेयर वेन्यू के बगल में सीडर पार्क गार्डन्स के पूर्वी जंक्शन पर स्थित है। इस इस्लामिक धार्मिक संस्थान में एक मस्जिद और एक मदरसा है। मस्जिद में नमाज पढ़ने वाले बांग्लादेशी नागरिक हुसैन ने बताया कि घटना के बाद कई स्थानीय निवासियों ने उनसे बांग्लादेशियों के व्यवहार की निंदा की। उन्होंने कहा कि इन बातों को सुनकर उन्हें एक बांग्लादेशी होने के नाते शर्मिंदगी महसूस हुई। हुसैन कई सालों से इस इलाके में रह रहे हैं और स्थानीय निवासियों के साथ उनके अच्छे संबंध हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में बांग्लादेशी कभी भी ब्रिटिश धरती पर ऐसी घटनाओं में शामिल नहीं होंगे।

एक नजर

मेला संस्कृति अनजानों के बीच मेलमिलाप और व्यापार-व्यवसाय बढ़ाने का जरिया : डॉ. मोहन यादव



भोपाल,एजेंसी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मेला संस्कृति अनजानों के बीच मेलमिलाप बढ़ाने का जरिया है। मेलों से ही मनुष्य को अहसास होता है कि वह अकेला नहीं है। यही नहीं मेलों के माध्यम से व्यापार-व्यवसाय को भी बढ़ावा मिलता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार शाम को भोपाल के तात्या टोपे नगर स्थित दशहरा मैदान में आयोजित उत्सव मेला : 2026 के शुभारंभ अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मेले के माध्यम से प्रदेश की सांस्कृतिक परम्पराओं को भी कायम रखने का प्रयास करें। इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं के प्रोत्साहन के लिए भी मेले सशक्त माध्यम हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल उत्सव मेले के व्यवस्थित आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रारंभ में भगवान गणेश की वंदना कर, दीप प्रज्ज्वलित कर और आकाश में गुब्बारे छोड़कर भोपाल उत्सव मेले का शुभारंभ किया। मेले में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभूतियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, विधायक भगवान दास सबनानी, भोपाल उत्सव मेला समिति के अध्यक्ष मनमोहन अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री राहुल कोठारी, नगर निगम के अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, प्रदेश भाजपा मीडिया प्रभारी ब्रजगोपाल लोहिया, रवि गगरानी, डॉ. महेश गुप्ता, प्रकाश खंडेलवाल, योगेन्द्र मुखरैया, समाजसेवी हीरो ज्ञानचंदानी, अविनाश कुदेसिया, सहित अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में मेले में आए नागरिक उपस्थित थे। प्रारंभ में आयोजन समिति की ओर से मनमोहन अग्रवाल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव और अन्य अतिथियों का स्वागत किया।

नियुक्तियों के अभाव में निष्क्रिय पड़ी हैं झारखंड की संवैधानिक संस्थाएं : बाबूलाल

रांची,एजेंसी। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य की संवैधानिक और वैधानिक संस्थाओं में लंबे समय से खाली पड़े पदों पर नियुक्ति नहीं होने को लेकर चिंता प्रकट की है। इसे लेकर बाबूलाल ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को रविवार को पत्र लिखकर राज्य की महत्वपूर्ण संस्थाओं में अविलंब नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने की मांग की है। मरांडी ने अपने पत्र में मुख्यमंत्री की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा है कि एक ओर मुख्यमंत्री न्यायिक संस्थाओं में नियुक्ति और संस्थागत निरंतरता को लेकर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और कॉलेजियम को पत्र लिख रहे हैं, वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार के कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण संस्थाएं नियुक्तियों के अभाव में निष्क्रिय पड़ी हैं। बाबूलाल मरांडी ने राज्य महिला आयोग, बाल अधिकार संरक्षण आयोग, मानवाधिकार आयोग, सूचना आयोग और लोक सेवा आयोग जैसी महत्वपूर्ण संस्थाओं में रिक्त पदों का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा कि इन संस्थाओं का कामकाज प्रभावित होना सीधे तौर पर आम जनता के अधिकारों और शिकायतों के निवारण से जुड़ा मामला है। सरकार को इन पदों पर नियुक्ति में और देरी नहीं करनी चाहिए। नेता प्रतिपक्ष ने डीजीपी की नियुक्ति को लेकर बार-बार उत्पन्न हुए विवादों और इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की आपत्तियों का भी जिक्र किया है। उन्होंने न्यायालयों में सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि संवैधानिक मर्यादा और संस्थागत निरंतरता की बात करने से पहले मुख्यमंत्री को अपनी सरकार की जिम्मेदारियों का निर्वहन सुनिश्चित करना चाहिए। मरांडी ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि राज्य की सभी महत्वपूर्ण संवैधानिक एवं वैधानिक संस्थाओं में रिक्त पदों पर अविलंब नियुक्ति की जाए, ताकि उनका कामकाज सुचारू रूप से संचालित हो सके। इस पत्र की प्रतिलिपि उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और कॉलेजियम के सदस्य न्यायाधीशों को भी भेजी गई है।

गुरु नानक देव जी के प्रकाशोत्सव पर निकला भव्य नगर कीर्तन, जगह-जगह हुआ स्वागत

धमतरी,एजेंसी। गुरु नानक देव जी के प्रकाशोत्सव के अवसर पर रविवार को सिख समाज द्वारा शहर में भव्य नगर कीर्तन निकाला गया। श्रद्धा, भक्ति और उत्साह से सराबोर इस शोभायात्रा में समाजजनों की बड़ी संख्या में भागीदारी रही। नगर कीर्तन पुराना बस स्टैंड स्थित गुरुद्वारा भवन से प्रारंभ होकर गोल बाजार, मठ मंदिर चौक, चमेली चौक, कचहरी चौक, तहसील कार्यालय, नगर निगम स्कूल, रत्नाबांधा चौक एवं मकई चौक होते हुए पुन: गुरुद्वारा भवन पहुंचा। पूरे मार्ग में आतिशबाजी और बैंड-बाजे की मधुर धुन से वातावरण भक्तिमय बना रहा।



नगर कीर्तन में सबसे आगे समाज के युवा चल रहे थे, उनके पीछे समाज के प्रमुखजन शामिल थे। इसके बाद आकर्षक फूलों से सजे रथ में गुरु नानक देव जी की तस्वीर विराजित थी। एक अन्य रथ में बच्चे सवार थे, जबकि अंतिम पंक्ति में समाज की युवतियां एवं महिलाएं गुरु नानक देव जी की महिमा का गुणगान करते हुए चल रही थीं। नगर कीर्तन का आकर्षण देखते ही बन रहा था। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर अन्य समाजों एवं सामाजिक संस्थाओं ने पुष्पवर्षा और स्वागत कर श्रद्धालुओं का अभिनंदन किया। आयोजन के दौरान सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे। कार्यक्रम में प्रधान जसपाल सिंह छाबड़ा एवं जसपाल सिंह तलुजा, सेक्रेटरी जसविंदर सिंह बग्गा, मीत सेक्रेटरी भूपेंद्र सिंह तलुजा, हर्षदीप सिंह खालसा एवं गुरमुख सिंह खनूजा, स्वजांची सतपाल सिंह अजमानी, मीडिया प्रभारी वशमेश सिंह धंजल, विशेष सलाहकार जगजीवन सिंह सिद्धू, अमरजीत सिंह खालसा, अंग्रेज सिंह गाले, जसविंदर सिंह देवगन एवं सविंदर सिंह जूनेजा, आमंत्रित सदस्य करतार सिंह मिस्सन, रजिंदर सिंह छाबड़ा, रविंदर सिंह बिंद्रा, सतनाम सिंह पनोवा, सुरजीत सिंह भूरानी, प्रताप सिंह विल्सो, सुरेंद्र सिंह छाबड़ा, जसपाल सिंह देऊ, सतपाल सिंह छाबड़ा एवं परविंदर सिंह खालसा, रांवा गुरुद्वारा प्रभारी मंजोत सिंह बिंदा, ईशान दीप सिंह चिंद, रविंदर सिंह छाबड़ा (गोल्डी), हर्षदीप सिंह खालसा, मनदीप सिंह खालसा एवं कुलप्रीत सिंह अजमानी, लंगर सेवा में गुरप्रीत सिंह गाले, बलविंदर सिंह बरणा एवं जसविंदर सिंह बम्मा, अकाउंट एवं कंप्यूटर व्यवस्था में मोहनपाल चोपड़ा, मंदीप सिंह विल्लो एवं विजय सिंह भूरानी सहित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, धमतरी के समस्त सदस्य उपस्थित रहे। गुरु नानक देव जी की जयंती से सिख समाज द्वारा गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा से निकली नगर कीर्तन का मठ मंदिर चौक पर नगर निगम के पूर्व सभापति राजेंद्र शर्मा, पार्षदगण विजय मोटवानी, पिंटू यादव, कुलेश सोनी, दाऊ बालाजी गुप्ता, दाऊ भरत गुप्ता, नीलमणि पवारिया, पप्पू सोनी, लल्ला लल्ला सोनी, सहित अनेक जनप्रतिनिधियो एवं गणमान्य नागरिकों ने स्वागत कर गुरु ग्रंथ साहिब से आशीर्वाद लिया। शहरवासियों की सुख समृद्धि के लिए प्रार्थना की। वहीं विजय मोटवानी ने कहा कि गुरू नानक देव जी का संदेश त्याग, बलिदान व देशभक्ति का शाश्वत व प्रमाणित उदाहरण है।

बुलडोजर एक्शन से अपराधियों के हौसले पस्त, यूपी में अपराधों पर लगा लगाम

लखनऊ,एजेंसी। उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था में आए बदलाव, अपराधियों और माफिया नेटवर्क पर कार्रवाई तथा बुलडोजर नीति के प्रभाव को लेकर रविवार को लखनऊ में गोमतीनगर के 1090 चौराहे पर रविवार को फ्रेंड्स ऑफ योगी द्वारा एक विशेष यूथ डायलॉग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें 2017 से पहले और बाद की स्थिति की तुलना करते हुए योगी सरकार के निर्णायक नेतृत्व, अपराध नियंत्रण, अवैध संपत्तियों पर कार्रवाई और तकनीक आधारित पुलिसिंग को बदलाव का आधार बताया गया। संवाद में 2017 से पहले अपराधी-माफिया नेटवर्क और राजनीतिक संरक्षण के गठजोड़ पर चर्चा हुई। पूर्व डीजीपी अरविंद कुमार जैन ने कहा कि पुलिस की सक्रियता, अपराधियों पर सख्त कार्रवाई और अवैध कब्जों के खिलाफ अभियान से कानून का इकबाल मजबूत हुआ है। बुलडोजर कार्रवाई को अपराध व अवैध संपत्तियों के खिलाफ कठोर नीति का प्रतीक है। गुंडागर्दी पर सख्ती जरूरी है, ताकि अपराधियों में कानून का भय और समाज में स्पष्ट संदेश कायम हो।

उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के सदस्य व वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत सिंह अटल ने कहा कि बुलडोजर कार्रवाई न्यायिक समीक्षा के दायरे में है और अधिकांश



मामलों में उच्च न्यायालय व उच्चतम न्यायालय ने सरकार के एक्शन का समर्थन किया है। उन्होंने दावा किया कि कार्रवाई से अपराधियों का मनोबल टूटा है। 2016 के मुकाबले डकैती में 87 और हत्या में 43 प्रतिशत की कमी आई है। योगी सरकार में प्रदेश की 25 करोड़ जनता सुरक्षित महसूस कर रही है। परिचर्चा में नागरिकों, महिलाओं, व्यापारियों और उद्यमियों की सुरक्षा, तकनीक आधारित पुलिसिंग व संस्थागत सुधार समेत 09 प्रमुख विषयों पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने कानून-व्यवस्था को शिक्षा, रोजगार और निवेश की बुनियाद बताते हुए युवाओं के सवालों का तथ्यात्मक जवाब दिया। कार्यक्रम में पूर्व डीजीपी अरविंद कुमार जैन, वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत सिंह अटल, डूसू के पूर्व अध्यक्ष शक्ति सिंह और सत्र संचालन व एएफपीआर के सीईओ शशांक शेखर सिंह शामिल हुए।

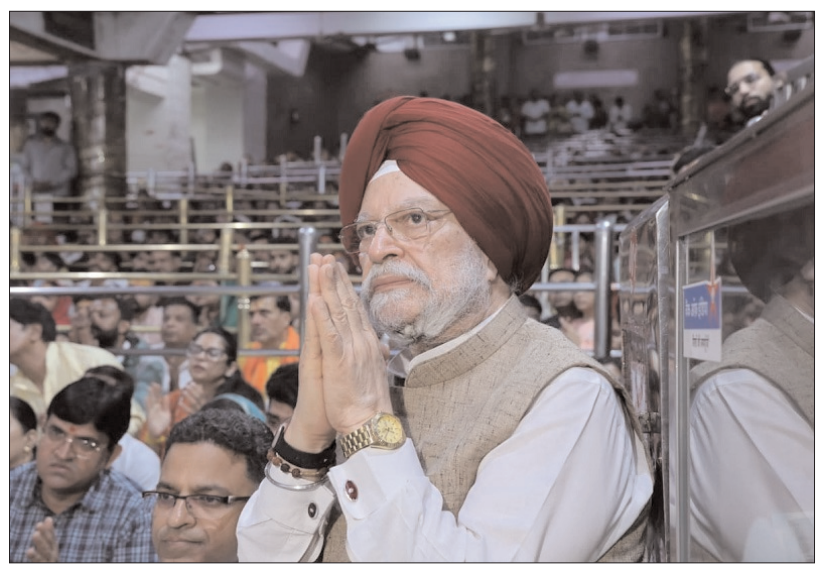
ग्वालियर: तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से बाइक सवार पति-पत्नी और 8 साल की बेटी की मौत

ग्वालियर,एजेंसी। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में रविवार शाम को ग्वालियर-झांसी नेशनल हाईवे पर एक सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। डबरा के कल्याणी के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार परिवार को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चला रहे कमल किशोर विश्वकर्मा, उनकी पत्नी सीमा और आठ साल की बेटी दीक्षा की जान चली गई। छह साल की छोटी बेटी भूमि उर्फ बिट्टी गंभीर रूप से घायल है।

उसका ग्वालियर के जयारोग्य अस्पताल (जेएएच) के ट्रॉमा सेंटर में इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार, भितरवार के सासन गांव निवासी 36 वर्षीय कमल किशोर रविवार को पत्नी और दोनों बेटियों के साथ ग्वालियर आए थे। पत्नी सीमा का यहां इलाज चल रहा था। दवा और उपचार कराने के बाद परिवार को गुड़ी-गुड़ा नाके पर रहने वाले कमल के साले के घर भी जाना था। शाम करीब छह बजे वे बाइक से लौट रहे थे। इसी दौरान कल्याणी के पास एक तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही चारों उछलकर सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए ग्वालियर भेजा। कमल किशोर ने अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिया। ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान आठ वर्षीय दीक्षा को भी डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। कुछ देर बाद सीमा की भी मौत हो गई। परिवार की छह साल की बेटी भूमि उर्फ बिट्टी की हालत गंभीर बनी हुई है। डॉक्टरों की टीम उसका उपचार कर रही है।

बताया गया है कि हादसे के समय कमल किशोर बाइक चला रहे थे। उनके पीछे पत्नी सीमा बैठी थीं। सीमा की गोद में छोटी बेटी भूमि थी, जबकि आठ वर्षीय दीक्षा बीच में बैठी थी। परिवार छीमक की ओर से आगे बढ़ रहा था। इसी दौरान कल्याणी की तरफ से आए वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर मारने वाला वाहन तेज रफ्तार ट्राला था। टक्कर के बाद ट्राला भी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खंती में जा गिरा। कमल किशोर ने ग्वालियर आने के दौरान रात को गुड़ी-गुड़ा नाके पर रहने वाले अपने साले के घर रुकने की योजना बनाई थी। पत्नी का इलाज और दवा लेने के बाद परिवार को वहीं जाना था, लेकिन रास्ते में हुए हादसे ने सब कुछ बदल दिया। एक साथ तीन लोगों की मौत की खबर से भितरवार के सासन गांव में शोक का माहौल है। आंतरी थाना प्रभारी धर्मेंद्र सिंह जोनवार ने बताया कि तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से बाइक सवार दंपति और उनकी एक बेटी की मौत हुई है। दूसरी बेटी घायल है और उसका इलाज जारी है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

हरदीप पुरी ने किए बाबा महाकाल के दर्शन, संध्या आरती में लिया हिस्सा



उज्जैन,एजेंसी। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी रविवार शाम को मध्य प्रदेश के उज्जैन प्रवास के दौरान विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर के मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने बाबा महाकाल के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान उनके परिवार के सदस्य भी मौजूद रहे। महाकाल मंदिर प्रबंध समिति की ओर से केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी का स्वागत किया गया। केन्द्रीय मंत्री पुरी रविवार शाम करीब 7 बजे महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे और सपरिवार संध्या आरती में हिस्सा लिया। इसके बाद उन्होंने नंदी मंडपम में बैठकर भगवान महाकालेश्वर की आराधना की। इस दौरान वे बाबा की भक्ति में लीन नजर आए। उन्होंने बाबा महाकाल से देशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की।

दर्शन के बाद केंद्रीय मंत्री भावुक नजर आए। उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि काफी समय से बाबा महाकाल के दर्शन करने की इच्छा थी। आज उन्हें बुलावा आया और दर्शन का अवसर मिला, यह उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि आज मुझे बुलावा आ गया। मैं बहुत इमोशनल हूं। मेरा सौभाग्य है कि आज दर्शन का मौका मिला। पुरी ने मध्य प्रदेश से अपने नए रिश्ते का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश से उनका एक नया संबंध जुड़ गया है, जिसके चलते उनका यहां आना-जाना बना रहेगा। उन्होंने बताया कि वे पिछले महीने की 30 तारीख को भी मध्य प्रदेश आए थे और अब 26 तारीख को फिर प्रदेश आने वाले हैं। हालांकि, रविवार का उज्जैन दौरा विशेष रूप से बाबा महाकाल के दर्शन के लिए था। केंद्रीय मंत्री ने अपने परिवार के धार्मिक जुड़ाव का उल्लेख करते हुए बताया कि मां लक्ष्मी से उनके परिवार का पुराना संबंध रहा है। परिवार के सदस्य पहले भी यहां दर्शन के लिए आ चुके हैं। बाबा महाकाल के दरबार में पहुंचकर उन्हें विशेष आध्यात्मिक अनुभूति हुई। इससे पहले केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी इंदौर पहुंचे। यहां उन्होंने अपनी धर्मपत्नी के साथ वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन से उनके आवास पर मुलाकात की। केन्द्रीय मंत्री पुरी ने सोशल मीडिया एक्स पर उक्त जानकारी साझा करते हुए कहा कि पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन से मिलकर बहुत खुशी हुई। सार्वजनिक जीवन में उनका दशकों लंबा सफर वाकई प्रेरणादायक है। जनसेवा के प्रति उनका अटूट समर्पण और महिला सशक्तिकरण की दिशा में उनके निरंतर प्रयास एक गहरी छाप छोड़ते हैं। संसद में लगातार आठ बार इंदौर का प्रतिनिधित्व करने के साथ-साथ सुमित्रा ने 16वीं लोकसभा की अध्यक्ष के रूप में भी इतिहास रचा है। उनकी कई उपलब्धियों के अलावा, उनका स्नेहपूर्ण व्यवहार, सादगी और लोगों के साथ उनका गहरा जुड़ाव उन्हें सचमुच खास बनाता है।

लखनऊ में एयर रेड और ब्लैकआउट मॉक ड्रिल, मुख्यमंत्री योगी की मौजूदगी में परखी गई आपातकालीन तैयारियां

लखनऊ,एजेंसी। युद्ध जैसी आपात परिस्थितियों में नागरिकों की सुरक्षा, राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों को परखने के लिए रविवार को लखनऊ पुलिस लाइन में नागरिक सुरक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश की ओर से एयर रेड/ब्लैकआउट मॉक एक्सरसाइज-2026 का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में आयोजित इस व्यापक मॉक ड्रिल में हवाई हमले, बम धमाके, आगजनी, इमारत ढहने, मलबे में लोगों के दबने, जहरीली गैस और रेडिएशन फैलने जैसी आपात स्थितियों का जीवंत प्रदर्शन किया गया। अभ्यास के दौरान नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवकों के साथ एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस, फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज तथा स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने समन्वित तरीके से राहत एवं बचाव अभियान चलाकर अपनी तैयारियों का प्रदर्शन किया।

मॉक ड्रिल की शुरुआत ब्लैकआउट और हवाई हमले के अलर्ट से हुई। सामान्य जनजीवन के बीच अचानक हवाई हमले की चेतावनी जारी की गई। देखते ही देखते क्षेत्र में ब्लैकआउट हो गया और बम धमाकों की आवाज के साथ अलग-अलग स्थानों पर आग लगने तथा इमारतों के क्षतिग्रस्त होने का दृश्य तैयार किया गया। हमले की स्थिति में मौजूद नागरिक जमीन पर पेट के बल लेट गए और अपने कान एवं आंखों को हाथों से ढककर



सुरक्षित रहने का अभ्यास करते दिखाई दिए। वहीं, कुछ लोगों को नजदीकी सुरक्षित शेल्टर और भवनों के बेसमेंट में पहुंचाया गया।

मॉक ड्रिल के दौरान बताया गया कि ब्लैकआउट का मुख्य उद्देश्य दुश्मन के विमानों को नीचे स्थित रिहायशी इलाकों की पहचान करने से रोकना है। रेड अलर्ट जारी होने पर घरों की सभी लाइटें बंद करना और खिड़की-दरवाजों से दूर सुरक्षित स्थान पर रहना जरूरी है। अभ्यास के दौरान एयरफोर्स स्टेशन से सिविल डिफेंस कंट्रोल रूम को हवाई हमला समाप्त होने का ग्रीन सिग्नल मिलने के बाद राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। नागरिक सुरक्षा के वार्डनों ने घटनास्थल के आसपास मौजूद लोगों को सुरक्षित दूरी पर भेजा, ताकि बचाव अभियान में कोई बाधा न आए और अतिरिक्त जनहानि की आशंका न रहे।

हवाई हमले के बाद घटनास्थल पर कई जगह आग लगने का दृश्य तैयार किया गया। नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवकों ने अलग-अलग प्रकार की आग बुझाने के तरीकों का प्रदर्शन किया। सूखी लकड़ियों में लगी आग को वाटर टाइप अग्निशमन यंत्र से कूलिंग मेथड के जरिए बुझाया गया। पेट्रोल के छोटे टैंकर में लगी आग को भीगे कंबल से ढककर ऑक्सीजन की आपूर्ति रोकने वाले स्मूथरिंग मेथड से नियंत्रित किया गया। वहीं, रासायनिक पदार्थ में लगी आग पर फोम टाइप एक्सटिंग्विशर का इस्तेमाल किया गया। रेस्टोरेंट में गैस सिलेंडरों में आग लगने की स्थिति में भीगे कंबल और आसपास मौजूद ज्वलनशील वस्तुओं को हटाकर आग पर काबू पाने का तरीका दिखाया गया। एक अन्य प्रदर्शन में नागरिक सुरक्षा के लखनऊ चीफ वार्डन अमरनाथ मिश्रा फायर सूट पहनकर धुएं से भरे क्षेत्र में दाखिल हुए और वहां फंसे घायल व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज की टीम ने फायर टेंडर और होज पाइप की मदद से बड़ी आग पर काबू पाने का अभ्यास किया। मॉक ड्रिल में बम धमाकों से घायल हुए लोगों को अस्पताल तक पहुंचाने के लिए उपलब्ध संसाधनों के इस्तेमाल का भी प्रदर्शन किया गया। नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवकों ने ह्यूमन क्रैडल यानी मानवीय पालना, पीठ पर उठाकर ले जाना, टू-हैंडेड सीट और मानवीय बैसाखी जैसे तरीकों से घायलों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने का अभ्यास किया। सिर में चोट लगने से गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने के लिए दो बांस के डंडों और मोटे कपड़े की सहायता से अस्थायी स्ट्रेचर तैयार किया गया। स्वयंसेवकों ने पहले घायल के सिर पर पट्टी बांधकर रक्तस्राव रोकने का अभ्यास किया और फिर उसे स्ट्रेचर पर लिटाकर मेडिकल कैंप तक पहुंचाया।

मुख्यमंत्री साय ने जशपुर जिले के पमशाला में विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

रायपुर,एजेंसी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रविवार को जशपुर जिले के फरसाबहार विकासखंड अंतर्गत ग्राम पमशाला में एक करोड़ 97 लाख 56 हजार रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें महतारी सदन, सामुदायिक भवन, सड़क और पुलिया निर्माण के कार्य शामिल हैं। इन विकास कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होने के साथ ही महिलाओं के सशक्तिकरण और सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।



मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर ग्राम गंझियाडीह, उपरकछार, सिकिरमा और अंबाकछार में 30-30 लाख रुपये की लागत से बनने वाले चार महतारी सदनों का भूमिपूजन किया। कुल एक करोड़ 20 लाख रुपये की लागत से बनने वाले ये महतारी सदन ग्रामीण महिलाओं के लिए सामाजिक, सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियों के प्रमुख केंद्र बनेंगे। यहां महिलाओं को एक साथ बैठकर विभिन्न गतिविधियों के संचालन, आपसी संवाद और स्वरोजगार से जुड़ी पहल को आगे बढ़ाने के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध होगा। मुख्यमंत्री साय ने ग्राम तुबा, सिकिरमा, धौरासांड और मेंडरबहार में 13 लाख 27 हजार रुपये प्रति भवन की लागत से बनने वाले चार सामुदायिक भवनों का भी भूमिपूजन किया। इन भवनों के निर्माण से ग्रामीणों को सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सार्वजनिक आयोजनों के लिए सुविधाजनक स्थान उपलब्ध होगा।

इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने ग्राम पमशाला के बेराटोली में भजनो घर के पास 10 लाख रुपये की लागत से बनने वाली पुलिया का भूमिपूजन किया। उन्होंने पमशाला में मुख्य मार्ग से मंदिर तक 14 लाख 48 हजार रुपये की लागत से निर्मित सीसी सड़क का लोकार्पण भी किया। सड़क और पुलिया के निर्माण से स्थानीय नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि गांवों का विकास ही प्रदेश की समृद्धि का आधार है। हमारी सरकार का प्रयास है कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पानी और अन्य बुनियादी सुविधाओं का निरंतर विस्तार हो तथा विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि गांवों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि ग्रामीणों का जीवन अधिक सहज और सुविधाजनक बन सके। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण हमारी सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी), से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से प्रकाशित किया। सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)